

मंडला के रंजीत कछवाहा बने राष्ट्रीय प्रवक्ता सूर्यवंशी कछवाहा-कुशवाहा राजपूत महासभा भारत की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

मंडला। सूर्यवंशी कछवाहा,ङ्कुशवाहा राजपूत महासभा भारत की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक इंदौर स्थित प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर परिसर के भक्त निवास में आयोजित हुई। बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने सहभागिता की। बैठक का शुभारंभ यज्ञ-हवन, भगवान श्रीराम एवं महाराज कुश-लव के तैलचित्र पर तिलक-वंदन, पुष्पहार एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। समाज की मातृशक्ति एवं बेटियों ने अतिथियों का तिलक-वंदन कर स्वागत किया। बैठक में राष्ट्रीय एवं मध्यप्रदेश कार्यकारिणी के पुनर्गठन के साथ आगामी सामाजिक एवं संगठनात्मक योजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इसी दौरान मंडला, मध्यप्रदेश के रंजीत कछवाहा को सूर्यवंशी कछवाहा-कुशवाहा राजपूत



महासभा भारत का राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोनीत

किया गया। उन्हें मिली इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी से मंडला के समाजजनों में हर्ष आने का अवसर देने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही सनातन संस्कृति, प्रभु श्रीराम एवं महाराज कुश-लव के आदर्शों को केंद्र में रखकर समाजसेवा तथा संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की अगली बैठक आगामी छह माह बाद, संभावित कर्नाटिया, जबलपुर को प्रदेश अध्यक्ष, संजय कुशवाहा, इंदौर को प्रदेश महासचिव तथा राजकुमार हरदहा, उज्जैन को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

युवाओं को संगठन से जोड़ने पर जोर: राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कछवाहा, सूरत (गुजरात) ने संगठन के भविष्य और नेतृत्व को लेकर अपने विचार रखे। राष्ट्रीय महासचिव बाबू सिंह कुशवाहा ने उपस्थित पदाधिकारियों से सुझाव लिए।

बैठक में प्रतिभाशाली, सक्रिय एवं संस्कारवान युवाओं को संगठन में आगे आने का अवसर देने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही सनातन संस्कृति, प्रभु श्रीराम एवं महाराज कुश-लव के आदर्शों को केंद्र में रखकर समाजसेवा तथा संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की अगली बैठक आगामी छह माह बाद, संभावित रूप से दिसंबर माह में आयोजित किए जाने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में विगत माह दिवंगत हुए राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी स्व. बाल किशन जी को मौन श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आभार प्रदर्शन अनिल कुशवाह ने किया। रंजीत कछवाहा को राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाए जाने पर मंडला सहित विभिन्न क्षेत्रों के समाजजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

महा मंडलेश्वर महंत 1008 श्री राम भरोसे दास जी महाराज के ब्रह्मलीन होने पर हुआ विशाल भंडारा हजारों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन, महाप्रसादी का लिया लाभ

बोड़ा। श्री खेड़पति हनुमान मंदिर बगीची के संत महा मंडलेश्वर महंत 1008 श्री राम भरोसे दास जी महाराज के ब्रह्मलीन होने पर उनकी दिव्य आत्मा के सम्मान में विशाल संत समागम एवं भंडारा प्रसादी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और संत के दर्शन कर महाप्रसादी का लाभ लिया। इस अवसर पर अयोध्या से पधारे पंच संतों द्वारा मंदिर के उत्तराधिकारी महंत सुनील दास वैष्णव को विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर गद्दी पर विराजमान कराया गया। संतों ने उन्हें साल एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया तथा श्री खेड़पति हनुमान मंदिर बगीची की जिम्मेदारी सौंपी। कार्यक्रम में विशेष रूप से अयोध्या हनुमानगढ़ी पंडी बस्त्रियां से पधारे श्री महंत रामनारायण दास, महंत सोमेश्वर दास, महंत रामदेव शरण, महंत तुलसी दास, महंत राजेंद्र दास, भीलवाड़ा से महंत जोधपुर एवं ओमकार दास सहित श्री खेड़पति हनुमान मंदिर बगीची समिति के सदस्य



मौजूद रहे। विशाल भंडारा सुबह 10 बजे से प्रारंभ हुआ, जो दोपहर 3 बजे तक चला। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। मंदिर बगीची समिति द्वारा कार्यक्रम में पधारे सभी संतों का पुष्पमाला पहनाकर एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया। साथ ही सम्मान राशि भेंट कर संतों का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में

विधायक मोहन शर्मा , पूर्व विधायक धूल सिंह यादव ,सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं हिंदू समाज के बंधु मौजूद रहे। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने संत महंत राम भरोसे दास जी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी स्मृतियों को नमन किया।

नगर में मच्छरों और आवारा पशुओं-कुत्तों का आतंक, नपा की निष्क्रियता पर नागरिकों में आक्रोश

समय जगत खाचरौद। नगर पालिका परिषद की कथित निष्क्रियता और अकर्मण्यता के कारण खाचरौद नगर में इन दिनों मच्छरों का जबरदस्त प्रकोप होने के साथ-साथ आवारा पशुओं एवं श्वाणों की संख्या में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसके चलते आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर की जनता में नगर पालिका की कार्यप्रणाली को लेकर आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस संबंध में भाजपा पार्षद श्रीमती गोदावरी बंबोरिया ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी रवि गुप्ता को पत्र लिखकर नगर में तत्काल आवश्यक व्यवस्थाएं किए जाने की मांग की है। श्रीमती बंबोरिया ने पत्र में बताया कि वर्तमान में वर्षा का दौर लाला खिंचने तथा मौसमजन्य परिस्थितियों और पर्याप्त साफ-सफाई के अभाव के कारण नगर के अनेक क्षेत्रों में मच्छरों की भरमार हो गई है। इसके कारण वायरल फीवर सहित अन्य मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि खाचरौद में स्वाइन फ्लू

जैसी गंभीर बीमारी के मामले सामने आने की स्थिति में मच्छरों और गुंदगी पर तत्काल नियंत्रण किया जाना बेहद आवश्यक है।यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो आने वाले दिनों में बीमारियों के और अधिक फैलने की आशंका है। इसी प्रकार नगर में आवारा पशुओं और कुत्तों का आतंक भी आम नागरिकों के लिए गंभीर समस्या बनता जा रहा है।आवारा पशु दिनभर बाजारों और प्रमुख मार्गों पर झुंड में घूमते रहते हैं तथा आपस में लड़ते रहते हैं। इससे राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और दुकानदारों को दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।नागरिकों को कई बार इन पशुओं से बचने के लिए इधर-उधर भागना पड़ता है। वहीं रात के समय यही आवारा पशु आसपास के खेतों में पहुंचकर किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। नगर में लगातार वृद्धि हो रही है। आए दिन लोगों के पीछे दौड़ने और काटने की घटनाओं से नागरिकों में भय का वातावरण बना हुआ है।

शिक्षा ,स्वास्थ्य ,पानी सड़क की उपलब्ध हों सुविधाएं बैगा बहुल गांवों तक विकास कार्यों की है दरकार

मवई के अमवार क्षेत्र में विधायक ने किया गांवों का दौरा, घर-घर पहुंचकर जानी ग्रामीणों की समस्याएं; पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास की बदहाल स्थिति सामने आई

मंडला। सरकार द्वारा आदिवासी एवं बैगा समाज के विकास को लेकर किए जा रहे दावों के बीच मवई विकासखंड की ग्राम पंचायत अमवार के बैगा बहुल गांवों की जमीनी स्थिति पर सवाल खड़े हुए हैं। बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने क्षेत्र के रहटारखैरो, ओराघुघरा, सागानछपर, अमवार, नुनसई और सुनेहरा सहित विभिन्न गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। इस दौरान ग्रामीणों ने पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, पेंशन, सड़क और वनाधिकार पट्टे से जुड़ी समस्याएं विधायक के सामने रखीं। **पाइपलाइन बिछी, घरों तक नहीं पहुंचा पानी:** ग्रामीणों ने बताया कि नल-जल योजना के तहत कई स्थानों पर पाइपलाइन तो बिछाई गई है, लेकिन घरों तक पानी नहीं पहुंच रहा है। कई हैंडपंप बंद पड़े हैं, जबकि



कुछ से लाल पानी निकलने की शिकायत है। कुओं का पानी भी गंदा होने के कारण ग्रामीण ज़िरिया और नाले के पानी पर निर्भर हैं। बताया गया कि बैगा बालक आश्रम के बच्चे भी पेयजल के लिए नदी, नाले और ज़िरिया के पानी पर निर्भर हैं। **जर्जर भवनों में पढ़ने को मजबूर बच्चे:** शिक्षा व्यवस्था की स्थिति भी चिंताजनक बताई गई। प्रार्थमिक शाला रहटारखैरो का भवन जर्जर होने के कारण बच्चे वहां नहीं बैठते और पास स्थित आंगनबाड़ी के जर्जर कमरे में पढ़ाई करने को मजबूर हैं। ओराघुघरा सहित अमवार

के स्कूल भवनों की स्थिति भी खराब बताई गई। बैगा बालक आश्रम में भी भवन और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी की शिकायत सामने आई। आश्रम में पदस्थ भूच्य को बीईओ कार्यालय मवई में अटैच किए जाने की बात भी सामने आई। **पोषण आहार और टीकाकरण में लापरवाही की शिकायत:** ग्रामीण महिलाओं ने गर्भवती महिलाओं और नवजात बच्चों को समय पर पोषण आहार एवं टीकाकरण का लाभ नहीं मिलने की शिकायत की। स्वास्थ्य जांच नियमित नहीं

होने और कई परिवारों को मच्छरदानी नहीं मिलने की बात भी ग्रामीणों ने विधायक को बताई। **पात्र परिवार आवास और पेंशन से वंचित:** दौरे के दौरान वृद्ध महिलाओं ने वृद्धावस्था पेंशन नहीं मिलने की शिकायत की। वहीं कई पात्र परिवार आवास योजना के लाभ से वंचित बताए गए। कुछ परिवारों के आवास स्वीकृत होने के बावजूद निर्माण प्लिथ अथवा नींव स्तर पर रुका हुआ है। ग्रामीणों ने आवास के लिए स्वीकृत राशि और उसके उपयोग की जानकारी नहीं होने की बात कही।

सड़क और पुल की समस्या से आवागमन प्रभावित: ओराघुघरा के ऊपर टोला जोहन बैगा सहित कई स्थानों पर सड़क नहीं होने से ग्रामीण कच्चे और कीचड़युक्त रास्तों से आवागमन कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ सीमा से लगे क्षेत्र में लिआरी नदी पर पुल-पुलिया नहीं होने के कारण ग्रामीणों को जोरिम उखरन नदी पार करनी पड़ती है। अमवार-पटपरा रोड से कुडकला टोला, अमवार से नुनसई तथा सुनेहरा के धोबाटोला तक सड़क की समस्या भी ग्रामीणों ने बताई।

मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर बना रोहित के लिए उम्मीद और सहारे का माध्यम

रतलाम। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत अलकापुरी स्थित कम्युनिटी हॉल (अटल सागुह) में आयोजित शिविर दिव्यांग रोहित कछवा, निवासी टैगोर कॉलोनी, अलकापुरी रतलाम के लिए खुशियों की सीगात लेकर आया। चलने-फिरने में असमर्थ रोहित को शिविर में ट्राईसिकल प्रदान की गई। ट्राईसिकल मिलते ही उनके चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाले रोहित के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। चलने में असमर्थता के कारण उन्हें रोजमरां के कार्यों के लिए भी दूसरों की सहायता पर निर्भर रहना पड़ता था। मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर में उनकी जरूरत को समझते हुए उन्हें ट्राईसिकल उपलब्ध कराई गई। ट्राईसिकल मिलने के बाद रोहित ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि



अब उनके लिए घर से बाहर आना-जाना काफी आसान हो जाएगा। पहले कहीं आने-जाने में काफी परेशानी होती थी और दूसरों की मदद लेनी पड़ती थी, लेकिन अब वे अधिक आसानी से आवागमन कर सकेंगे। रोहित के चेहरे पर दिखाई दे रही खुशी इस बात की गवाही दे रही थी

कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं और जनविश्वास जैसे शिविर जरूरतमंद लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव ला रहे हैं। लेकिन लिए यह ट्राईसिकल केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की गई राह है।

सर्वसमाज व करणी सेना ने बुलंद की आवाज शहपुरा में टोल के खिलाफ क्षेत्रीय जनों द्वारा किया गया धरना- प्रदर्शन

समय जगत जबलपुर/शहपुरा।

शहपुरा-भिटौनी-नरसिंहपुर मार्ग स्थित टोल प्लाजा के विरोध में सोमवार को शहपुरा में जनआक्रोश देखने को मिला। करनी सेना, क्षत्रिय सभा एवं सर्व समाज के बैनर तले सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शन करते हुए =अवैध वसूली बंद करो और टोल को शहपुरा से 10 किलोमीटर दूर शिफ्ट करो के नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने शहपुरा-भिटौनी-नरसिंहपुर मार्ग पर बैरिकेड लगाकर वाहनों को रोक दिया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि शहपुरा के नजदीक नियमों के विपरीत टोल वसूली की जा रही है, जिसे



तत्काल बंद किया जाना चाहिए। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासन का अमला मौके पर पहुंचा। स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से चर्चा कर यातायात व्यवस्था बहाल कराने

का प्रयास किया। फिलहाल प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत जारी है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि टोल प्लाजा को शहपुरा से दूर शिफ्ट करने सहित उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

राष्ट्रभाषा प्रचार समिति द्वारा राष्ट्रीय सृजन पुरस्कारों की घोषणा

मधुकांत को साहित्यश्री, सूरजसिंह नेगी को हिन्दी सृजन पुरस्कार

सैयद रिजवान अली-समय जगत, मनावर । राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति ने वर्ष 2026 के राष्ट्रीय सृजन पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। समिति का सर्वोच्च मलाराम माली स्मृति साहित्यश्री सम्मान रोहतक के वरिष्ठ साहित्यकार मधुकांत को उनके समग्र साहित्यिक अवदान के लिए प्रदान किया जाएगा। वहीं डॉ. नंदलाल महर्षि स्मृति हिन्दी सृजन पुरस्कार जयपुर के कथाकार-उपन्यासकार डॉ. सूरजसिंह नेगी को उनकी औपन्यासिक कृति 'भावेश जो कह न सका' के लिए दिया जाएगा। सभी पुरस्कार 27 सितम्बर को श्रीद्वारगढ़ में आयोज्य समारोह में अर्पित किए जाएंगे। समिति अध्यक्ष श्याम महर्षि एवं



उपाध्यक्ष डॉ. मदन सैनी ने बताया कि हिन्दी की विभिन्न विधाओं में श्रेष्ठ सृजन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष

राष्ट्रीय स्तर पर ये पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इस वर्ष देश के बाहर से अधिक राज्यों से प्रविष्टियां एवं प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से

चयन समिति ने कृतियों एवं रचनाकारों का चयन किया। संस्था के मंत्री एवं पुरस्कार समिति के संयोजक रवि पुरोहित ने बताया कि श्री शिवप्रसाद सिखवाल स्मृति महिला लेखन पुरस्कार उज्जैन की साहित्यकार लखन पुरस्कार उज्जैन की साहित्यकार मीरा जैन को व्यंग्य संग्रह 'हेल्थ हादसा' के लिए तथा श्यामसुन्दर नागला स्मृति बाल साहित्य पुरस्कार मड़वा नगर, उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ बाल साहित्यकार लाल देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव को बाल काव्य कृति 'देश की मिट्टी है अनमोल' के लिए प्रदान किया जाएगा। सुरेश कंचन ओझा लेखन पुरस्कार किशनगढ़ के डॉ. सतीश कुमार को उनकी कृति 'भारत में लोकतंत्र' के लिए दिया जाएगा।

पार्षद ने एफआईआर मामले में महापौर को ज्ञापन देकर की न्याय की मांग

सिंगरौली। नगर पालिक निगम सिंगरौली के वार्ड क्रमांक 38 (तुलसी वार्ड) के पार्षद एवं अपीलीय समिति के सदस्य अनील कुमार वैश्य समिति के संयोजक रवि पुरोहित ने बताया कि श्री शिवप्रसाद सिखवाल स्मृति महिला लेखन पुरस्कार उज्जैन की साहित्यकार लखन पुरस्कार उज्जैन की साहित्यकार मीरा जैन को व्यंग्य संग्रह 'हेल्थ हादसा' के लिए तथा श्यामसुन्दर नागला स्मृति बाल साहित्य पुरस्कार मड़वा नगर, उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ बाल साहित्यकार लाल देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव को बाल काव्य कृति 'देश की मिट्टी है अनमोल' के लिए प्रदान किया जाएगा। सुरेश कंचन ओझा लेखन पुरस्कार किशनगढ़ के डॉ. सतीश कुमार को उनकी कृति 'भारत में लोकतंत्र' के लिए दिया जाएगा।



अन्य व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर साझा की गई थी, जिसे उन्होंने स्क्रीनशॉट के माध्यम से ओो साझा किया था। श्री वैश्य ने पत्र में कहा है

कि उनके विरुद्ध कोतवाली वैदैन में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 की धारा 2 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया, जबकि उनका पक्ष सुनने अथवा मामले की निष्पक्ष जांच किए जाने का अवसर उन्हें नहीं मिला। उन्होंने इसे प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत बताते हुए प्रकरण की स्वतंत्र एवं पारदर्शी जांच की मांग की है। उन्होंने महापौर से आग्रह किया है कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ जांच कराई जाए तथा यदि प्रक्रिया के किसी स्तर पर कोई त्रुटि अथवा पक्षपात पाया जाता है, तो नियमानुसार उचित कार्रवाही सुनिश्चित की जाए। पार्षद श्री वैश्य ने कहा कि बिना उनका पक्ष सुने प्रकरण दर्ज होने से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा एवं सार्वजनिक जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

संपादकीय

आरएसएस की स्वीकार्यता बढ़ाने की कवायद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सांगठनिक विस्तार के साथ उसकी स्वीकार्यता बढ़ाने की कवायद भी लगातार होती रहती है। आरएसएस प्रमुख महोन भागवत का 25 अगस्त से लगभग 10 सितंबर 2026 तक, 17 दिवसीय तीन देश अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेडकिंगडम की यात्रा का 25 अगस्त से शुरू अमेरिका दौरा इन्हीं प्रयासों का एक हिस्सा है। साथ ही यह भारत की विचारधारा, हिंदुत्व, धार्मिक स्वतंत्रता अल्पसंख्यक अधिकारों और भारतीय प्रवासी राजनीति को लेकर अमेरिका में चल रही पुरानी बहस का नया अध्याय बन गया है। 25 अगस्त 2026 से शुरू हुए आरएसएस प्रमुख के अमेरिका कनाडा - ब्रिटेन दौरे का मकसद आरएसएस के अनुसार संगठन के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर वैश्विक हिंदू और भारतीय समुदायों से संवाद करना तथा आरएसएस और भारत के बारे में मौजूद गलत धारणाओं को दूर करना है। लेकिन न्यूयॉर्क पहुंचते ही यह दौरा समर्थन और विरोध, दोनों का केंद्र बन गया। आरएसएस स्वयं हिंदुत्व को भारतीय सभ्यता, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, सामाजिक संगठन और राष्ट्रीय एकता की अवधारणा के रूप में प्रस्तुत करता है। आरएसएस की अपनी सामग्री में भागवत हिंदुत्व को सत्य, प्रेम और अपनत्व से जोड़ते हैं तथा संगठन सामाजिक समरसता, जातिगत भेदभाव के विरोध और सेवा को अपनी प्राथमिकताओं में बताता है। लेकिन आलोचकों का तर्क है कि व्यवहार में हिंदुत्व की राजनीतिक व्याख्या बहुसंख्यकवादी राजनीति को मजबूत कर सकती है और इससे मुस्लिम, ईसाई, सिख तथा अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकार प्रभावित होने का खतरा पैदा होता है। यही वह वैचारिक अंतर है जहां आरएसएस की आत्म-व्याख्या और उसके आलोचकों की व्याख्या एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत दिखाई देती है। न्यूयॉर्क में विरोध का सबसे प्रमुख राजनीतिक चेहरा मेयर जोहारन ममदानी बने हैं। एक अमेरिकी समाचार एजेंसी के अनुसार ममदानी ने आरएसएस प्रमुख के कार्यक्रम का सार्वजनिक रूप से विरोध किया और आरएसएस की विचारधारा को भारत के बहुलतावादी तथा धर्मांतरण दुष्टकोण के विपरीत बताया। हालांकि यह भी महत्वपूर्ण है कि किसी निजी कार्यक्रम को केवल राजनीतिक असहमति के आधार पर नगर प्रशासन द्वारा रोक देना अलग कानूनी प्रश्न है। हालाकि माना जा रहा है कि आरएसएस प्रमुख की यह विदेश यात्रा संगठन के सांगठनिक हितों के लिहाज से फायदेमंद रहेगी।

रोजगारपरक शिक्षा की उपलब्धता हो सुनिश्चित

संजय गुप्त
कौशल विकास पर नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट के कई निष्कर्ष चिंतित करने वाले हैं। इन दिनों युवाओं के हित की चिंता करती दिख रहीं केंद्र और राज्य सरकारों को इन निष्कर्षों पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश में जो नौकरियां सृजित हो रही हैं, उनके अनुरूप जैसी शिक्षा की आवश्यकता है, उसमें अनेक खामियां हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार 15 से 29 वर्ष के लगभग 8.7 करोड़ युवा न तो पढ़ाई कर रहे हैं, न रोजगार में हैं और न ही किसी तरह का प्रशिक्षण ले रहे हैं। इन्हें एनईईटी यानी नाट इन एजुकेशन, एम्प्लायमेंट ट्रेडिंग श्रेणी में रखा गया है। कुछ युवा लंबे समय तक रोजगार न मिल पाने के कारण एनईईटी श्रेणी में चले जाते हैं। नीति आयोग के अनुसार कौशल विकास माडल को केवल प्रशिक्षण देने तक सीमित रखने के बजाय उसे रोजगार और करियर से जोड़ा जाना चाहिए। नीति आयोग ने यह पाया कि केवल 8. 25 प्रतिशत स्नातक ऐसा काम कर रहे हैं, जो उनकी योग्यता के अनुरूप है। इसका मतलब है कि अधिकांश युवाओं को अपनी योग्यता के हिसाब से नौकरियां नहीं मिल रही हैं। इसका कारण यही हो सकता है कि कारोबार जगत के पास जैसी नौकरियां हैं, उनके लायक युवा नहीं निर्रता पा रहे हैं। आयोग के अनुसार समस्या सिर्फ बेरोजगारी की नहीं है, बल्कि पढ़ाई रोजगार के लिए जरूरी कौशल और उद्योग की जरूरतों के बीच तालमेल के अभाव की भी है। आयोग ने कमजोर व्यावहारिक अनुभव, उद्योग से कम जुड़ाव, सतही इंटरशिप और ऑरेंटेशनिप एवं करियर गाइडेंस की कमी को प्रमुख चुनौतियों में गिना है। सरकारों को इन चुनौतियों का सामना करने के लिए आगे आना होगा। आयोग ने स्कूलों के स्तर से ही उद्यमिता कौशल विकसित करने और रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने का जो सुझाव दिया है, वह नया नहीं है। कठिनाई यह है कि ऐसे सुझावों पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यह समय की मांग है कि छात्रों को स्कूल स्तर से ही रोजगार और उद्यमिता से जुड़े कौशल से लैस किया जाए। भले ही केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में विभिन्न मंत्रालयों के माध्यम से कौशल विकास से जुड़े कार्यक्रमों के लिए लगभग 34 हजार करोड़ का प्रविधान किया हो, लेकिन नीति आयोग का मानना है कि प्रशिक्षण की पहुंच और रोजगार के परिणामों में अभी बड़ा अंतर है। इस अंतर को पाटे बिना बात बनने वाली नहीं है। कौशल विकास के मामले में यह बात सामने आ रही है कि जिन संस्थाओं पर इसकी जिम्मेदारी है, वे अपना काम सही ढंग से नहीं कर पा रही हैं। इसका अर्थ है कि वे कौशल विकास के नाम पर खानापूरी कर रही हैं। कौशल विकास का काम तब तक सही तरह से नहीं होने वाला, जब तक योग्य प्रशिक्षकों की सेवाएं लेना सुनिश्चित नहीं किया जाता। कौशल विकास कार्यक्रमों की गुणवत्ता के साथ प्रशिक्षकों की गुणवत्ता पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा।

नीति आयोग के अनुसार जो युवा बीए, बीकाम की डिग्री लेकर नौकरी तलाश रहे हैं, उनके लिए कोई खास नौकरियां सामने नहीं आ रही हैं। इन डिग्रियों का नौकरी से सीधा जुड़ाव कमजोर है। कई बच्चे इन डिग्रियों को इसलिए चुनते हैं, ताकि इनके जरिए सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन करने की पात्रता मिल जाए। अब जब यह स्पष्ट है कि बीए, बीकाम और बीएससी की डिग्रियां सीधे रोजगार में नहीं बदलती तो फिर इनके पाठ्यक्रम में परिवर्तन किया जाना चाहिए। आयोग ने सामान्य डिग्री कार्यक्रमों को रोजगार से जोड़ने के लिए जाब-लिनक्ड स्पेशलाइजेशन, इंडस्ट्री से जुड़े पाठ्यक्रम और बूक-इंटिग्रेटेड डिग्री कार्यक्रम बढ़ाने का जो सुझाव दिया, उस पर अमल में देर नहीं होनी चाहिए। यह एक सही सुझाव है कि बीकाम के साथ एनालिटिक्स या डिजिटल मार्केटिंग, बीए के साथ रिलेय या हास्पिटेलिटी और बीएससी के साथ एनाइटेक्नोलॉजी जैसे विकल्प विकसित किए जा सकते हैं। मुख्य आर्थिक सलाहकार भी. अनंनं नागेश्वरन ने हाल में कहा था कि साफ्टवेयर नौकरियां और एमबीए डिग्री का दौर अब खत्म हो रहा है और वेल्डिंग, प्लंबिंग और बर्द्धग्री जैसे ट्रेड स्किल्स को अधिक महत्व देना चाहिए। महज डिग्री लेने से कुछ बदलने वाला नहीं। इसलिए बेहतर होगा कि युवा किसी न किसी कौशल से लैस हों। इसी तरह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी कहा था कि मौजूदा विश्वविद्यालयी पाठ्यक्रम छात्रों को न तो नौकरी के लिए पर्याप्त रूप से तैयार करते हैं और न ही उद्यमी बनने के लिए। यह ठीक है कि सरकार एआइ के व्यापक अभ्यास से परितप्त है और इसके लिए आवश्यक तैयारी भी कर रही है, लेकिन उसे यह भी पता होना चाहिए कि एआइ का असर मौजूदा नौकरियों पर भी पड़ना शुरू हो गया है। ऐसे में यह आवश्यक है कि नौकरी पाने के इच्छुक या नई नौकरी में जा रहे युवाओं को भी एआइ के कौशल से लैस किया जाए। यह एक विडंबना ही है कि इतनी बड़ी आबादी वाले देश में हम ऐसी शिक्षा व्यवस्था निर्मित नहीं कर सके हैं कि छात्र या तो किसी नौकरी के लिए तैयार होकर निकलें या फिर अपना काम शुरू करने की क्षमता हासिल कर सकें। जबसे काकोरु जनता पार्टी के प्रदर्शन के कारण शिक्षा मंत्री धर्मदेव प्रधान को त्यागपत्र देना पड़ा, बरसे लगातार ऐसी घटनाएं आ रही हैं कि भारत में शिक्षा पर जैसा ध्यान दिया जाना चाहिए था, वैसा नहीं दिया गया, लेकिन इसमें अकेले केंद्र सरकार की कमी नहीं।

भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा से मिली नई ऊर्जा और दिशा

नजरिया

इस ऐतिहासिक यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी आयाम प्रवासी भारतीयों के बीच संघ की अंतरराष्ट्रीय शाखाओं, विशेष रूप से हिंदू स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों पर पड़ने वाला प्रभाव है। डॉ. भागवत की इस उपस्थिति ने अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय देशों में सक्रिय एचएसएस के नेटवर्क को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है। आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा समकालीन वैश्विक परिदृश्य, भारत-अमेरिका संबंधों के

अशोक भाटिया

अगस्त 2026 में हो रही इस उच्च-स्तरीय यात्रा के बहुआयामी प्रभाव हैं, जो पारंपरिक कूटनीति के दायरों से बहुत आगे निकल जाते हैं। इस दौरे के प्रभाव को मुख्य रूप से तीन बड़े स्तंभों के माध्यम से समझा जा सकता है, जिसमें पहला अमेरिकी कॉर्पोरेट जगत के दिग्गजों और उद्यम पूंजीपतियों के साथ भविष्य की तकनीकों पर हुआ गंभीर आर्थिक विमर्श है, दूसरा वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में भारतीय प्रवासियों का ऐतिहासिक सांस्कृतिक समागम है, और तीसरा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस यात्रा को लेकर पैदा हुए वैचारिक अंतर्विरोध और तीखे राजनीतिक विरोध प्रदर्शन हैं। इन सभी पहलुओं का एक साथ मिलकर विश्लेषण यह स्पष्ट करता है कि आधुनिक भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने वाला यह संगठन अब वैश्विक स्तर पर देश की छवि, नीतियों और अंतरराष्ट्रीय विमर्श को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार अपनी रणनीतियों का विस्तार कर रहा है। इस पूरी यात्रा का सबसे पहला और आर्थिक रूप से अत्यंत व्यावहारिक पड़ाव न्यूयॉर्क में वैश्विक कॉर्पोरेट जगत के शीर्ष अधिकारियों, नीति-निर्माताओं और उद्यम पूंजीपतियों के साथ आयोजित एक विशेष गोलेमल बैठक थी । इस संवाद के दौरान पारंपरिक द्विपक्षीय व्यापार के स्थापित ढांचों से आगे बढ़कर पूरी तरह से भविष्य की उन्नत प्रौद्योगिकियों यानी डीप-टेक पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस उच्च-स्तरीय बैठक में दूसरंचा क्षेत्र के आधुनिकीकरण, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में निजी निवेश की संभावनाओं, स्वच्छ ऊर्जा के वैश्विक लक्ष्यों और क्रांटम क्यूबंटिंग जैसी अत्याधुनिक विधाओं में भारत-अमेरिका के बीच सहयोग पर गहराई से विमर्श हुआ। डॉ. मोहन भागवत ने वैश्विक निवेशकों के सामने भारत को एक विश्वसनीय, लोकतांत्रिक, कानून सम्मत और विकासोन्मुख वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में मजबूती से प्रस्तुत किया। इस चर्चा के दौरान अमेरिकी निवेशकों ने भारत के विशाल बाजार और उसकी बढ़ती आर्थिक क्षमता की सराहना की, लेकिन साथ ही उन्होंने राज्य स्तर पर आने वाली प्रशासनिक और विनियामक बाधाओं पर अपनी व्यावहारिक चिंताएं भी साझा कीं। निवेशकों का मुख्य तर्क यह था कि यदि भारत को चीन के एक मजबूत और सुरक्षित विकल्प के रूप में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं

हिमालय के स्वभाव-सीमाओं को सम्मान से ही सुरक्षा

ओंकार चौधरी
अब हिमालयी क्षेत्रों में आपदा आने के बाद केवल राहत दल भेजना पर्याप्त नहीं है। आज आवश्यकता है-पूर्वानुमान,

रोकथाम, चेतावनी, सुरक्षित निकासी और वैज्ञानिक पुनर्निर्माण के एक निरंतर सुरक्षा चक्र की। हिमालय केवल बर्फ, पत्थरों और ऊंची चोटियों की पर्वत-श्रृंखला नहीं है। वह दक्षिण एशिया की जल-सुरक्षा, मानसूनी व्यवस्था, जैव-विविधता, कृषि और करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार है। लेकिन जिस हिमालय को हम स्थिर-अडिग मानते आए हैं, वह भू-गर्भीय दृष्टि से दुनिया की सबसे युवा और सक्रिय पर्वत-श्रृंखलाओं में है। जलवायु परिवर्तन और बढ़ते मानवीय हस्तक्षेप ने उसकी स्वाभाविक संवेदनशीलता को गंभीर बना दिया है। अब हिमालयी आपदाएं केवल अतिवृष्टि, बादल फटने या भूकंप तक सीमित नहीं हैं। बर्फ, चट्टान, हिमनद झील, नदी, मलबा और मानव निर्मित ढांचे मिलकर ऐसी बहु-आपदा श्रृंखलाएं पैदा कर रहे हैं, जिनका पूर्वानुमान कठिन और विनाशक इकड़ गुना हो सकता है। 26 अगस्त, 2026 को नेपाल के रसुवा ज़िले और तिब्बत-नेपाल सीमा के निकट भोटेकोशी-त्रिशुली नदी क्षेत्र की आपदा इसका नवीनतम उदाहरण है। वैज्ञानिक आकलन के अनुसार लगभग 5,200 मीटर की ऊंचाई पर हिमनद का बड़ा हिस्सा टूटकर करीब 1,200 मीटर नीचे घाटी में गिरा। बर्फ-चट्टानों के विशाल मलबे ने नदी को अस्थायी रूप से रोका। पानी जमा हुआ और अवरोध टूटते ही जल, मलबे और शिलाखंडों की प्रचंड धारा दौड़ पड़ी। आधे घंटे में नदी का जलस्तर नौ मीटर तक बढ़ गया। जलविद्युत परियोजनाएँ, सड़कें, पुल व बस्तियां चपेट में आईं। सबसे चिंताजनक संदेश यह है कि विनाशकारी बाढ़ के लिए निचली घाटियों में भारी वर्षा होना आवश्यक नहीं है। हजारों मीटर ऊपर हिमनद या चट्टान टूट सकती है, नदी अवरुद्ध हो सकती है और प्राकृतिक बांध टूटने पर तुरंत नीचे विनाशकारी बाढ़ पहुंच सकती है। पिछले तीन दशकों की घटनाएं इसी खतरे का संकेत करती हैं। वर्ष 1998 में उत्तराखंड के मालपा में विशाल भूस्खलन ने पूरी बस्ती को नष्ट कर दिया। वर्ष 2000 में तिलिती क्षेत्र से सतलुज में आई विनाशकारी बाढ़ ने हिमाचल प्रदेश में भारी तबाही मचाई। 2005 में पारिचू नदी पर बने प्राकृतिक अवरोध के टूटने से सतलुज घाटी फिर प्रभावित हुई। जून, 2013 की केदारनाथ त्रासदी में असाधारण वर्षा, हिम-पिघलाव, चोराबरी ताल से अचानक निकले पानी और विशाल मलबे ने मंदाकिनी घाटी में भयावह विनाश किया। फरवरी, 2021 की चमोली आपदा ने हिमालयी संकट का एक नया रूप सामने रखा। पता चला कि रेंटी क्षेत्र से विशाल चट्टान-हिमस्खलन हुआ था। करीब ढाई करोड़ घन मीटर चट्टान और बर्फ विनाशकारी



के केंद्र में आना है, तो भूमि अधिग्रहण, जटिल कर संरचनाओं और स्थानीय स्तर पर फैक्ट्रियां स्थापित करने से जुड़ी प्रक्रियाओं को और अधिक सरल व पारदर्शी बनाना होगा, ताकि प्रशासनिक दैरी के बिना निवेश धरातल पर उतर सके। इसी बैठक में सिलिकॉन वैली की जानी-मानी निवेश भागीदार आशा जेडंजा मोटवानी जैसी हस्तियों ने भागवत के इस विचार का पुरजोर समर्थन किया कि भारत की युवा जनसांख्यिकी आज दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है, और भारतीय युवा न केवल अपने देश के विकास के इंजन हैं बल्कि वे पूरी दुनिया में सकारात्मक और तकनीकी बदलावों के सबसे बड़े संवाहक बनकर उभर रहे हैं। इस तीन दिवसीय दौरे का दूसरा और दृश्य रूप से सबसे भव्य पहलू न्यूयॉर्क के ऐतिहासिक और दुनिया भर में प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित होने वाला यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन है । रक्षाबंधन के पावन सांस्कृतिक अवसर पर आयोजित होने वाले इस विशाल समागम में पूरे अमेरिका महाद्वीप से 5,000 से अधिक वशिष्ठ भारतीय प्रवासियों और सैकड़ों सांस्कृतिक, दार्शनिक व आध्यात्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई । इस भव्य आयोजन के पीछे बहुत गहरे भू-राजनीतिक और सामाजिक निहितार्थ छिपे हुए हैं, क्योंकि इस पूरे उत्सव का मूल तत्त्व भारतीय संस्कृति के कालजयी विचार वसुधैव कुटुंबकम यानी पूरी दुनिया एक परिवार है, के सार्वभौमिक सिद्धांत पर आधारित है। ऐसे दौर में जब पूरा विश्व भू-राजनीतिक संघर्षों, युद्धों, वैचारिक ध्रुवीकरण और गंभीर जलवायु संकटों से जूझ



मलबा-प्रवाह में बदल गई। ऋषिगंगा-तपोवन जलविद्युत परियोजनाएं चपेट में आई व 200 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई। अक्तूबर, 2023 में सिक्किम की दक्षिण ल्हेनक हिमनद झील फटने से तीसरा में आई बाढ़ ने दिखाया कि ऊंचे हिमालय में उत्पन्न संकट नीचे बांधों-पुलों, शहरों व सामरिक ढांचों को प्रभावित कर सकता है। दरअसल, इन घटनाओं का कारण कहीं अतिवृष्टि, कहीं हिमनद झील, कहीं चट्टान-हिम स्खलन और प्राकृतिक बांध का टूटना है। एक प्राकृतिक संकट दूसरे संकट की जन्म देता है। यही हिमालय की नई बहु-आपदा चुनौती है। दरअसल, भू-गर्भीय संरचना के चलते भारतीय भू-पट्टिका आज भी यूरेशियाई भू-पट्टिका की ओर बढ़ रही है। अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार दोनों के बीच सापेक्ष टकराव करीब 40-50 मिलीमीटर प्रतिवर्ष है। इसी दबाव से हिमालय जन्मा, यही उसे अत्यधिक भूकंपीय क्षेत्र भी बनाता है। हिमालय में तीखी ढलानें, दरारें वाली चट्टानें, पुराने भूस्खलन क्षेत्र और तीव्र कटाव स्वाभाविक हैं। अतः-यहां निर्माण व आबादी बढ़ाने से पहले कहीं अधिक सावधानी आवश्यक है। दरअसल, जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ते तापमान से हिमनद सिंकुडुने हैं। फलतः-नई झीलें बनीं और पुरानी झीलों का आकार बढ़ रहा है। इसरो ने 1984 से 2023 के उपग्रह चित्रों के आधार पर भारतीय हिमालयी नदी क्षेत्रों में दस हेक्टेयर से बड़ी 2,431 हिमनद झीलों का अध्ययन किया। इनमें 676 झीलों का विस्तार पाया गया। हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र में लगभग 200 हिमनद झीलों को खतरनाक माना गया है।

दरअसल, कम अवधि में अत्यधिक वर्षा पहाड़ी ढलानों को अस्थिर कर सकती है। नदी में पानी के साथ भारी मलबा पहुंचा सकता है। हर हिमालयी आपदा को सड़क, सुरंग या बांध का परिणाम मानना पलत होगा। लेकिन अनियोजित निर्माण प्राकृतिक खतरे को बड़ी मानवीय त्रासदी में बदल सकता है। सड़कों के लिए पहाड़ काटना, ढलानों पर भारी निर्माण, नदी किनारे होटल और मकान, खाद्य जल-निकासी, निर्माण का मलबा

रहा है, मैडिसन स्क्वायर गार्डन जैसे अत्यधिक प्रभावशाली पश्चिमी मंच से सर्वसमावेशी, बहुसांस्कृतिक और अंतरधार्मिक एकता का संदेश देना भारत की उस विश्व-मित्र वाली छवि को वैश्विक जनमानस में स्थापित करता है जो सभी के कल्याण की कामना करती है। यह आयोजन अमेरिकी समाज, वहां की अर्थव्यवस्था, विज्ञान और राजनीति में शीर्ष पदों पर आसीन भारतीय प्रवासियों की एकजुटता और उनकी जनसांख्यिकीय व आर्थिक शक्ति का भी एक बहुत बड़ा प्रदर्शन है , जिसकी अपेक्षा कोई भी अमेरिकी सरकार या नीति-निर्माता नहीं कर सकता। इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम के माध्यम से संघ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने खिलाफ बने पुराने नरैटिव को तोड़ने और पश्चिमी दुनिया के सामने खुद को एक वैश्विक, समावेशी और परोपकारी दार्शनिक आंदोलन के रूप में पेश करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है। इस ऐतिहासिक यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी आयाम प्रवासी भारतीयों के बीच संघ की अंतरराष्ट्रीय शाखाओं, विशेष रूप से हिंदू स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों पर पड़ने वाला प्रभाव है। डॉ. भागवत की इस उपस्थिति ने अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय देशों में सक्रिय एचएसएस के नेटवर्क को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है। भारत से बाहर रहने वाले हिंदुओं को अपनी संस्कृति, जड़ों और मूल्यों से जोड़े रखने में हिंदू स्वयंसेवक संघ दशकों से मूक भाव से काम कर रहा है, लेकिन इस स्तर के शीर्ष नेतृत्व के प्रवास ने इन गतिविधियों को मुख्यधारा की वैश्विक चर्चा में ला खड़ा किया है। इस यात्रा के बाद विदेशों में चल रही संघ की सासाहिक और मासिक बालोगेकुलम जैसी गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है, जहां प्रवासी परिवारों की नई पीढ़ी को भारतीयता दर्शन, योग और नेतृत्व क्षमता के संस्कार दिए जाते हैं। एचएसएस के माध्यम से प्रवासी भारतीय केवल सांस्कृतिक रूप से ही संगठित नहीं हो रहे हैं, बल्कि वे अमेरिकी समाज में परोपकार, आपदा प्रबंधन और स्थानीय सामुदायिक सेवा के कार्यों में भी अग्रणी

भूमिका निभा रहे हैं। संघ प्रमुख ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि विदेशों में रहने वाले स्वयंसेवकों का यह दायित्व है कि वे अपनी कर्मभूमि (अमेरिका) के प्रति पूरी तरह वफादार और अनुशासित रहते हुए अपनी मातृभूमि (भारत) के सांस्कृतिक गौरव को अक्षुण्ण रखें। यह रणनीतिक मार्गदर्शन आने वाले समय में पश्चिमी देशों में भारतीय प्रवासियों को एक ऐसे सुदृढ़ सामाजिक समूह के रूप में स्थापित करेगा, जो वैश्विक स्तर पर भारत विरोधी दुष्प्रचार का मुकाबला करने और भारत के पक्ष में एक सकारात्मक जलमत तैयार करने में अधिक सक्षम होगा।

सकारात्मक आर्थिक संवाद और सांस्कृतिक महाकुंभ के समानांतर, इस यात्रा का वह अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विवाद और विरोध प्रदर्शन भी एक अनिवार्य पहलू है जिसने न्यूयॉर्क की राजनीति को गरमाए रखा । डॉ. भागवत की इस हाई-प्रोफाइल उपस्थिति का अमेरिकी मानवाधिकार लॉबी, कुछ नागरिक अधिकार संगठनों और स्थानीय राजनेताओं द्वारा तीखा विरोध किया गया है । उदाहरण के तौर पर, न्यू यॉर्क शहर के पहले भारतीय-अमेरिकी मेयर जोहारन ममदानी ने सार्वजनिक रूप से इस आयोजन और संघ की विचारधारा पर अपनी गहरी वैचारिक असहमति व्यक्त की , हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह एक निजी संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम है, इसलिए नगर प्रशासन के पास इसे रोकने का कोई विधिक आधार नहीं है। इसके साथ ही हिंदूस फॉर और इंडियन अमेरिकन मुस्लिम कार्गिसल जैसे कई मुखर संगठनों ने न्यू यॉर्क सिटी हॉल के बाहर और डिजिटल मंचों पर व्यापक विरोध अभियान चलाए , जिनका यह आरोप था कि संघ का मूल वैचारिक दर्शन भारत के बहुलवादी ढांचे को प्रभावित करता है, और इस तरह के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित मंचों पर संघ प्रमुख को स्थान मिलने से संगठन को वह वैश्विक वैधता और प्रतिष्ठ प्राप्त होती है जिसके वे विरोधी हैं। इस पूरे विवाद को तब और राजनीतिक ढवा मिली जब अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग की पुरानी आलोचनात्मक रिपोर्ट का हवाला देकर विरोधी समूहों ने वीजा और सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर अमेरिकी प्रशासन पर दबाव बनाने का प्रयास किया , जिसे भारत के विदेश मंत्रालय ने हमेशा की तरह पूरी तरह से पूर्वाग्रह से ग्रसित और पक्षपातपूर्ण मानकर खारिज कर दिया।

प्रगतिशील सोच और जागरुकता से ही समाधान

सुरेश सेठ
वास्तविक आधुनिकता तभी संभव है, जब समाज महिलाओं को वस्तु या लेन-देन का माध्यम नहीं, बल्कि समान अधिकारों वाली स्वतंत्र नागरिक और नेतृत्वकारी शक्ति के रूप में स्वीकार करे।

सवाल यही है कि भौतिकवाद की चकाचौंध के बीच ये घृणित रूढ़ियां आखिर कब टूटेंगी? भारत को प्रगतिशील, आधुनिक और विश्व के अग्रणी देशों में गिनेते हुए हम नहीं थकते। देश की प्राचीन सांस्कृतिक गरिमा हमें गर्व का अनुभव कराती है, लेकिन मध्यकाल से लेकर आज तक चली आ रही अनेक जर्जर रूढ़ियां और परंपराएं हमें शर्मिंदा भी करती हैं। दास प्रथा भले ही समाप्त हो चुकी हो, पर छुआछूत, दहेज, बाल विवाह, शادی-ब्याह में फिजूलखर्चीं और सामाजिक आडंबर कुंरीतियां किसी भी किसी रूप में आज भी मौजूद हैं। शायदियों में बह-चढ़कर खर्च करना और दिखावे के माध्यम से सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदर्शित करना एक प्रकार का कारोबार बन चुका है। डेस्टिनेशन वेडिंग पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। पर्यटन विभाग भी चाहता है कि ऐसी शायियां भारत के सुंदर स्थलों पर हों, ताकि देश का नाम देश में रहे, किंतु धनी वर्ग विदेशी स्थलों की ओर आकर्षित होता है। इससे अनावश्यक विदेशी खर्च बढ़ता है। जनजागरण के तमाम प्रयासों के बावजूद पुरानी रूढ़ियां नए रूपों में बार-बार सामने आ जाती हैं। वर्षों से सामाजिक और कानूनी अभियानों के बावजूद देश में बाल विवाह के मामले सामने आ रहे हैं। यह माना जाता है कि आज लड़कियों को शिक्षा, प्रतियोगिताओं और रोजगार के अवसर मिल रहे हैं तथा वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। फिर भी कुछ राज्यों में बाल विवाह जारी हैं। कहीं न कहीं सामाजिक दबाव इसके लिए जिम्मेदार है। महिला बाल विकास मंत्रालय के अनुसार, 27 अगस्त 2026 तक देश में बाल विवाह से जुड़े 3,863 मामले सामने आए। प्रशासनिक कार्रवाई के माध्यम से 3,405 बाल विवाह रोक गए, जबकि पुलिस शिकायतों, बाल कल्याण समितियों की रिपोर्टें और विवाह निरस्तीकरण से जुड़े मामलों को मिलाकर 458 मामले दर्ज हुए। ये आंकड़े बताते हैं कि समस्या समाप्त नहीं हुई है और सामाजिक जागरूकता के दावे पूरी तरह वास्तविकता से मेल नहीं खाते। बाल विवाह रोकने के मामले में मध्य प्रदेश हवेली से बाल विवाह की कोई रिपोर्ट नहीं मिली। इससे स्पष्ट है कि पूरा देश एक जैसी सामाजिक परिस्थितियों में नहीं जो रहा। फिर भी जिन बड़े राज्यों में आर्थिक और भौतिक विकास के दावे अधिक हैं, वहां भी बाल विवाह जैसी कुुरीतियों का बने रहना हमारी प्रगति की असमान और विरोधाभासी तस्वीर प्रस्तुत करता है। बाल विवाह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि आर्थिक असुरक्षा, सामाजिक दबाव, लैंगिक भेदभाव और कई अन्य विकृत मानसिकताओं से जुड़ी समस्या है। जिस देश में तेज आर्थिक विकास, मोबाइल और डिजिटल पहुंच तथा शिक्षा के विस्तार के दावे किए जाते हैं, वहां दहेज प्रथा का निर्बाध बने रहना भी गंभीर विरोधाभास है। दहेज को अक्सर ‘उपहार’ का नाम देकर सामाजिक स्वीकृति देने की कोशिश की जाती है, लेकिन विवाह और तलाक से जुड़े विवादों से स्पष्ट होता है कि आज भी लड़कियों के परिवारों पर कार, मकान और अन्य महंगी वस्तुएं देने के लिए प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष दबाव डाला जाता है।

सार-समाचार

मुख्यमंत्री ने पंचकुला में प्रधानमंत्री के ‘मन की बात’ के 137वें संस्करण का देखा सीधा प्रसारण

चंडीगढ़, समय जगत । हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को पंचकुला में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम ‘मन की बात’ के 137वें संस्करण का ऑनलाइन माध्यम से सीधा प्रसारण देखा ।इस अवसर पर सेक्टर – 1 स्थित रेड विशप के कन्वेंशन हॉल में कार्यक्रम के प्रसारण की विशेष व्यवस्था की गई थी, जहां मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजन के साथ ‘मन की बात’ कार्यक्रम को देखा । ‘मन की बात’ कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देशभर के नागरिकों से संवाद स्थापित करते हैं और प्रेरणादायक कहानियों, नवोन्मेधी विचारों तथा सकारात्मक बदलाव लाने वाली जन –नेतृत्व वाली पहलों को साझा करते हैं । यह कार्यक्रम देश के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे लोगों और संस्थाओं के प्रयासों को सामने लाने के साथ–साथ नागरिकों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करता है । ‘मन की बात’ में उठाए गए विषयों और जनहित से जुड़ी पहलों के साथ सार्थक जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की ।उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के विचारों और प्रेरणादायक संदेशों को ध्यानपूर्वक सुना ।

60 खिलाड़ियों का स्टेट चैंपियनशिप के लिए हुआ चयन

गुरुग्राम । गांव धरमपुर स्थित चेतन दास कम्प्यूनिटी सेंटर में जिला स्तरीय कराटे चयन प्रतियोगिता एवं स्टेट ट्रायल का आयोजन किया गया ।इसमें जिले के विभिन्न स्कूलों और कराटे अकादमियों की 25 टीमों के करीब 250 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया ।खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 60 पदक अपने नाम किए । इसके आधार पर करीब 60 खिलाड़ियों का हरियाणा स्टेट कराटे चैंपियनशिप के लिए चयन किया गया ।चयनित खिलाड़ी अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे ।जिला कराटे सचिव पवन सिंह की अगुवाई में प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया । उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि सभी खिलाड़ियों ने मैदान पर शानदार प्रदर्शन किया है । चयनित खिलाड़ियों से स्टेट चैंपियनशिप में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है ।उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने और गुरुग्राम की टीम को प्रशिक्षण में बेहतर स्थान दिलाने के लिए आगे भी विशेष तैयारी की जाएगी । आयोजक मुस्कान और पदाधिकारियों ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग देने वाले कोचों का आभार जताया । प्रतियोगिता में गोविंदा, प्रशांत, पंकज, शुभम, मान सिंह, रिद्धि अत्री, विशाल, राजेंद्र, नरेंद्र और प्रवीण समेत अन्य कोचों ने विशेष सहयोग किया ।

पलवल की सड़कों पर दिखा ‘खलेगा भारत, जीतेगा भारत’ का जोश

चंडीगढ़, समय जगत । राष्ट्रीय खेल दिवस और हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर रविवार की सुबह पलवल की सड़ गें पर खेल और फिटनेस का अलग ही नजारा देखने को मिला । ‘खलेगा भारत, जीतेगा भारत’ थीम के साथ आयोजित पलवल साइक्लोलैथॉन में युवाओं, खिलाड़िं गें और खेल प्रेमियों ने उत्साह के साथ भाग लेकर खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संदेश दिया । जिला प्रशासन एवं खेल विभाग पलवल की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में हरियाणा सरकार में खेल एवं युवा अधिकारिता राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए ।कम्प्यूनिटी सेंटर, हुड्डा सेक्टर–2 से साइक्लोलैथॉन का शुभारंभ हुआ ।जैसे–जैसे साइकिल सवार आगे बढ़े, शहर में खेल भावना और उत्साह का माहौल बनता गया । विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने साइकिल यात्रा में हिस्सा लेकर स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली का संदेश दिया ।साइक्लोलैथॉन का समापन नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में हुआ । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने खिलाड़ियों और युवाओं का उत्साहवर्धन किया ।उन्होंने राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए युवाओं से खेलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया । उन्होंने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं है, बल्कि खेलों के माध्यम से अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित होती है ।स्वस्थ युवा ही मजबूत समाज और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं ।खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के अवसर पर पलवल कम्प्युनिटी सेंटर से आयोजित साइकिल यात्रा में युवाओं, खिलाड़िं गें और आमजन के साथ सहभागिता कर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई ।मेजर ध्यानचंद जी का जीवन हमें अनुशासन, समर्पण और राष्ट्र के प्रति गौरव की प्रेरणा देता है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘फिट इंडिया’ और खेलों को जन–आंदोलन बनाने के संकल्प को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा निरंतर मजबूती से आगे बढ़ा रहा है । मेरा युवाओं से आह्वान है कि वे खेलों और नियमित व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं । स्वस्थ युवा ही विकसित और सशक्त हरियाणा की मजबूत नींव है । साइक्लोलैथॉन का उद्देश्य केवल साइकिल यात्रा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके माध्यम से युवाओं और आमजन को खेलों तथा नियमित शारीरिक गतिविधियों के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया । ‘खलेगा भारत, जीतेगा भारत’ की थीम ने पूरे आयोजन को विशेष पहचान दी ।

माधव क्रिकेट अकादमी को मिली जीत

गुरुग्राम । अचीवर्स क्रिकेट अकादमी के मैदान पर शनिवार को अंडर 12 डे–नाइट मैच में माधव अकादमी की टीम ने अचीवर्स जूनियर अकादमी की टीम को 4 रन से हराया ।अचीवर्स जूनियर क्रिकेट अकादमी की टीम ने 139 रन का स्कोर खड़ा किया ।टीम के माहिर मोर ने 72 रन की जबरदस्त पारी खेली ।माधव अकादमी की ओर से शौर्य, लवसन और ऋद्धिक वालिया ने 1–1 विकेट चटकाए ।माधव अकादमी के उज्ज्वल सिंह ने 50 रन की पारी खेली ।टीम ने 24.4 ओवरों में 7 विकेट पर 135 रन बना लिए थे और मैच के संशोधित नियम के आधार पर 4 रन से जीत दर्ज की ।

विमुक्त एवं घुमंतू समाज का इतिहास स्वाभिमान और वीरता की है गाथा: मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा– शिक्षा से घुमंतू समाज का संवरेगा भाग्य, बच्चों को जरूर पढ़ाएं माता–पिता

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विमुक्त एवं घुमंतू समाज का इतिहास बहुत पुराना, गौरवशाली और प्रेरणादायक है। कठिन से कठिन हालात में भी इस समाज के लोगों ने अपनी अटूट मेहनत, समृद्ध कला, अनुपम संस्कृति और अपने स्वाभिमान को सदैव जीवित रखा है। जब भी हम भारत के इतिहास और इसके स्वर्णिम अतीत को देखते हैं, तो विमुक्त और घुमंतू समाज के शूवीरों और महापुरुषों का योगदान स्वर्ण अक्षरों में चमकता दिखाई देता है। भाई मखन शाह लंबाना जी, जिन्होंने सच्चे गुरु की पहचान कराकर पूरी दुनिया को सही मार्ग दिखाया। भाई लखी शाह बंजारा जी एवं भाई निगाहिया जी, जिन्होंने श्री गुरु तेग बहादुर जी के पवन शरीर का अपने घर में अंतिम संस्कार कर आपन सर्वस्व न्योछावर कर दिया। योद्धा भाई जैता जी, जो कि चांदनी चौक से गुरु साहिब का पावन शीश आनंदपुर साहिब पहुंचाकर गुरु का बेटा कहलाए। मुख्यमंत्री रविवार को अपने चंडीगढ़ स्थित आवास संत कबीर कुटीर में आयोजित हरियाणा व पंजाब की समस्त घुमंतू

जातियों के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिकलीगर व बंजारा समाज के हुनरमंद वीरों ने मुगलों के खिलाफ युद्ध में अचूक अस्त्र–शस्त्र बनाकर खालसा फौज को ताकत दी। भामाशाह और बंजारा समाज के नायक, जिन्होंने महाराणा प्रताप के स्वाभिमान संग्राम में रसद–सामग्री पहुंचाकर देश की रक्षा की। ये सभी हमारे राष्ट्र के असली हीरो हैं। उन्होंने कहा कि वीरता आपको अपने पूर्वजों से विरासत में मिली है। इसी राष्ट्रभक्ति के बल पर आपने आजादी के आंदोलन में अंग्रेजी हुकूमत की नाक में दम कर दिया था। इसी से बाख़लाकर अंग्रेजों ने 1871 में क्रिमिनल इंड्रम्ब एक्ट नाम का काला कानून बनाकर आपके देशभक्त समाज को जन्मजात अपराधी घोषित करने का घिनोना पाप किया। आजादी के बाद 31 अगस्त, 1952 को यह कलंक हमेशा के लिए मिटा, इम्रीलिए इस ऐतिहासिक दिन को हम विमुक्ति दिवसज के रूप में मनाते हैं। उन्होंने कहा कि केवल विमुक्ति दिवस मनाने भर से काम नहीं चलने वाला। आपको वह सब मिलना चाहिए जो अंग्रेजों ने



आपसे छिना था। आजादी के बाद लंबे समय तक शासन करने वाली सरकारों ने समाज की सुध नहीं ली और मूलभूत अधिकारों से वंचित रखा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र

हर गर्भवती महिला की ‘समृद्धि’ पोर्टल के माध्यम से होगी डिजिटल मानीटरिंग: नायब सिंह

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार मातृ एवं नवजात मृत्यु दर को कम करने और गर्भवती महिलाओं को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए ‘समृद्धि’ (सेफ मदरहुड एंड चाइल्ड हेल्थ इनीशिएटिव) पहल को लागू कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश की हर गर्भवती महिला का इस पोर्टल पर पंजीकरण हो और गर्भावस्था से लेकर प्रसव तथा प्रसव के बाद तक उसके स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक तकनीक की मदद से ‘समृद्धि’ पोर्टल, राज्य स्तरीय कमांड सेंटर और 102 मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कॉल सेंटर को एक साथ जोड़ जाएगा। इससे गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने, जोखिम वाली गर्भावस्था की समय पर पहचान करने और जरूरत पڑने पर गर्भवती महिलाओं को तुरंत बड़े अस्पताल में भेजने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि हर गर्भवती महिला का अनिवार्य



पंजीकरण कर उसे विशेष ‘समृद्धि’ आईडी दी जाएगी। इससे उसकी गर्भावस्था से जुड़ी सभी स्वास्थ्य संबंधी जानकारीएं एक ही स्थान पर सुरक्षित रहेंगी। यह व्यवस्था सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ निजी अस्पतालों और मेडिकल कर्नियों में इलाज कराने वाली महिलाओं के लिए भी लागू होगी। महिला चाहे किसी भी अस्पताल में इलाज करवाए, उसकी

जरूरी स्वास्थ्य जानकारी ‘समृद्धि आईडी’ के माध्यम से पोर्टल पर अपडेट की जाएगी। इससे गर्भावस्था से जुड़ा पूरा डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा। ‘समृद्धि’ व्यवस्था के तहत उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान की जाएगी। एएनएम, डॉक्टरों और स्वास्थ्य अधिकारियों को जरूरी जांच, आगामी प्रसव, फॉलो-अप और अन्य सेवाओं के लिए समय पर सूचना और अलर्ट मिलेंगे। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं से नियमित अंतराल पर संपर्क किया जाएगा। सामान्य गर्भावस्था वाली महिलाओं से हर तीन महीने में संपर्क होगा, जबकि उच्च जोखिम वाली महिलाओं की अधिक बार निगरानी की जाएगी। प्रसव की संभावित तारीख नजदीक आने पर संपर्क और निगरानी बढ़ाई जाएगी, ताकि आपात स्थिति में तुरंत सहायता मिल सके। श्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि राज्य स्तर पर ‘102 मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कॉल सेंटर’ स्थापित किया

जाएगा। यहां प्रशिक्षित नर्स गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी सलाह देंगी, जोखिम की पहचान करेंगी और जरूरत पڑने पर उन्हें उचित स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने में सहायता करेंगी। कॉल सेंटर के माध्यम से किसी महिला में बाद में उच्च जोखिम की स्थिति सामने आती है, तो इसकी जानकारी तुरंत कमांड सेंटर को दी जाएगी और ‘समृद्धि’ पोर्टल पर भी अपडेट किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए समय पर इलाज और सही अस्पताल में रेफर करना बेहद जरूरी है। ‘समृद्धि’ के माध्यम से उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को उचित स्वास्थ्य संस्थान तक पहुंचाने के लिए जिला और राज्य स्तर पर बेहतर समन्वय किया जाएगा। महिलाओं को उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार प्रसव के लिए उपयुक्त अस्पताल की जानकारी दी जाएगी। जरूरत पड़ने पर उन्हें बड़े स्वास्थ्य संस्थानों में भेजने की प्रक्रिया को भी आसान बनाया जाएगा।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कार्गो की सुरक्षा होगी और मजबूत

दिल्ली, समय जगत। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआई) पर बढ़ते हवाई कार्गो कारोबार को देखते हुए ट्रांसशिपमेंट सामान की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाएगी। इसके लिए कॉमन ट्रांसशिपमेंट कार्गो सिक्वेरिटी होल्ड एरिया (टीसीएसएचए) विकसित किया जाएगा। इसके तहत जरूरी सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा। इस क्षेत्र में उस कार्गो को सुरक्षित रखा जाएगा, जिसे एक विमान से उतारकर दूसरे विमान से उसके आगले गंतव्य तक भेजा जाना है। ट्रांसशिपमेंट कार्गो वह सामान होता है, जो अपने अंतिम गंतव्य तक स्रोत नहीं पहुंचता। रास्ते में किसी एयरपोर्ट पर विमान बदलने के दौरान इसे कुछ समय के लिए सुरक्षित रखना पड़ता है। ऐसे में सामान की निगरानी,



सुरक्षा और अधिकृत तरीके से उसकी आवाजाही महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रस्तावित टीसीएसएचए इसी प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित करेगा। दिल्ली एयरपोर्ट देश के प्रमुख हवाई कार्गो केंद्रों में शामिल है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में आईजीआई पर करीब 11.09 लाख मीट्रिक टन कार्गो संभाला गया, जो पिछले वित्तीय

वर्ष के मुकाबले 10.6 प्रतिशत अधिक था। एयरपोर्ट की सालाना कार्गो क्षमता करीब 18 लाख टन है। यहां दवाइयों, इलेक्ट्रॉनिक सामान, मशीनरी, औद्योगिक उत्पाद और ई–कॉमर्स से जुड़े माल समेत कई तरह के सामान की आवाजाही होती है। कार्गो कारोबार बढ़ने के साथ ट्रांसशिपमेंट की जरूरत भी बढ़ रही है।

लोकहित में और सार्थक विषयों पर हो संवाद: मनोहर लाल

चंडीगढ़, समय जगत। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि संवाद में तथ्य और सच्चाई होनी चाहिए। सस्ती लोकप्रियता के लिए झूठे नारों के सहारे सुर्खियों में बने रहना उचित नहीं। संवाद जनहित में होना चाहिए। केंद्रीय मंत्री रविवार को करनाल स्मार्ट सिटी की 23. 67 करोड़ की चार परियोजनाओं के उद्घाटन के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी के इन प्रोजेक्ट्स से लोगों को फायदा होगा। चार–पांच प्रोजेक्ट अभी और बचे हैं जिनमें से एक बड़ा एलिवेटेड ब्रिज का है। उस पर काम जारी है। जल्दी ही इसे पूरा करया जाएगा। काग्रिस नेता राहुल गांधी द्वारा युवाओं से संवाद की कवायद जारी रखने संबंधी एक सवाल पर केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि संवाद करना बुरी बात नहीं है, सबको करना चाहिए। संवाद के बिना राजनीतिक पार्टी के लोग अपनी भूमिका पूरी नहीं कर पाएंगे। लेकिन संवाद में तथ्य और सच्चाई होनी चाहिए। झूठे स्लोगन और सस्ती लोकप्रियता



संदेश दे रहे हैं। वे ऐसा संदेश पहले भी देते रहे हैं और आगे भी देते रहेंगे। एक अन्य प्रश्न पर कहा कि सफाई कर्मचारियों ने उनके समुच्च अपनी मांग रखी है जिसे वे सरकार तक पहुंचाएंगे। सरकार इस मामले में उचित निर्णय लेगी। चीनी की बढ़ी कीमतों संबंधी सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मार्केट में कभी रेट कम होते हैं, कभी ज्यादा। पहली बार रेट बढ़े हैं, ऐसा नहीं है। विपक्षी अपना समय भूल

गए कि जब इन्हीं चीजों के ऊपर वे हिल जाते थे। प्याज और दालें किस सीमा तक जाती थीं, क्या चीनी उस समय महंगी नहीं हुई? अच्छे बात यह है कि सरकार ने चीनी महंगी होते ही तुरंत कदम उठाया। नतीजतन एक ही दिन में भाव 15 रुपये कम भी हुआ। मेघवाल शब्द को लेकर प्रदेश में उठे विवाद संबंधी प्रश्न पर उन्होंने कहा कि ऐसी मांग ऐच्छक व वैकल्पिक होती हैं, किसी पर थोपी नहीं जा सकती हैं। अगर कोई एक वर्ग ऐसा है जो

कहता है कि हां, हमको चमार की बजाय मेघवाल लिखवाना है, तो कोई आपत्ति थोड़ी कर सकता है। ऐसा भी विषय सरकार के विचाराधीन हो सकता

बदियों को सुधार कर समाज की मुख्यधारा से जोड़ना हरियाणा सरकार का लक्ष्य : डॉ. शर्मा

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के कारागार मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार का उद्देश्य जेलों को केवल सजा देने की व्यवस्था तक सीमित रखना नहीं है, बल्कि बंदियों को सुधार कर समाज की मुख्यधारा में वापस लाना भी है। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश की सभी जेलों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ बंदियों के सुधार, कौशल विकास और पुनर्वास के लिए कई योजनाएं बनाई गई हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि बंदी प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनें और रिहाई के बाद सम्मान के

साथ समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकें। इसके लिए सरकार आर्थिक और प्रशासनिक स्तर पर हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि आधुनिक जेल व्यवस्था में सुरक्षा के साथ सुधार और पुनर्वास भी उतना ही जरूरी है। इसी सोच के साथ प्रदेश में नई जेलों का निर्माण, आधुनिक तकनीक का विस्तार और बंदियों को रोजगारपरक प्रशिक्षण देने की योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। हरियाणा की जेलों की तस्वीर तेजी से बदल रही है। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के साथ अब जेलों में बंदियों के सुधार और पुनर्वास पर भी उतना ही जोर दिया जा रहा है।

फसल नुकसान के आकलन को लेकर एसडीएम ने गांवों का किया निरीक्षण

किसानों से की सीधी बातचीत, प्रत्येक खेत का सर्वे कराने के दिए निर्देश

चरखारी (महोबा),। जिलाधिकारी गजल भारद्वाज के निर्देश पर उपजिलाधिकारी चरखारी अन्वीश कुमार तिवारी ने सोमवार को तहसील क्षेत्र के कुरौरा डांग, फतेहपुर, दयालपुरा सहित विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर अतिवृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और फसल क्षति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। एसडीएम ने किसानों को भरोसा दिलाया कि फसल नुकसान का नियमानुसार सर्वे करारक पात्र किसानों को शासन के प्रावधानों के अनुरूप सहायता उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मौके पर मौजूद लेखपालों, बीमा कंपनी के कार्मिकों तथा कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक गांव में खुली बैठक आयोजित कर किसानों की समस्याएं सुनी जाएं और प्रत्येक खेत



का स्थलीय निरीक्षण कर फसल क्षति का निष्पक्ष एवं पारदर्शी आकलन किया जाए। उन्होंने कहा कि सर्वे कार्य में किसी भी प्रभावित किसान का खेत छूटना नहीं चाहिए। किसानों से प्राप्त शिकायतों और फसल नुकसान की वास्तविक स्थिति को

अभिलेखों में दर्ज करते हुए समयबद्ध तरीके से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। एसडीएम ने किसानों को फसल क्षति से संबंधित शिकायत दर्ज कराने के लिए टोल फ्री नंबर 14447 की जानकारी भी दी। उन्होंने किसानों से अपील की कि यदि

सर्वे अथवा फसल क्षति के संबंध में कोई समस्या हो तो उक्त टोल फ्री नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। इस दौरान राजस्व विभाग, कृषि विभाग एवं बीमा कंपनी के संबंधित कार्मिक मौजूद रहे।

ड्राई डे पर क्लब ग्रीन पार्क में शराब परोसने का आरोप, कार्यवाही की उठी मांग

समय जगत, मनेंद्रगढ़। क्लब ग्रीन पार्क, मनेन्द्रगढ़ को लेकर 15 अगस्त 2026 के आसपास ड्राई डे के दिन शराब की बिक्री/परोसे जाने के आरोपों की सोशल मीडिया पर चर्चा सामने आई है। एक स्थानीय पोस्ट में सीधे आरोप लगाया गया है कि एनएच-43 स्थित क्लब ग्रीन पार्क में ड्राई डे के बावजूद शराब की बिक्री हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, क्लब ग्रीन पार्क में केवल क्लब के सदस्य ही प्रवेश कर सकते हैं। जानकारी यह भी सामने आ रही है कि कथित रूप से एम्पी की अवैध शराब न केवल परोसी जाती है, बल्कि उसकी सप्लाई भी की जाती है। इस पूरे मामले में संबंधित जिला अधिकारी से कथित संरक्षण मिलने की बात भी कही जा रही है, जिसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। 15 अगस्त 2026 के ड्राई डे के दिन क्लब में शराब परोसे जाने के आरोपों को लेकर शहरवासियों की मांग है कि क्लब के सीसीटीवी कैमरों की जांच की जानी चाहिए। साथ ही, उस दिन क्लब में मौजूद लोगों की भी जांच की जाए कि वे क्लब के अधिकृत सदस्य थे या नहीं।



अधिकारी कार्यालय में नवीन कुमार शुक्ला से सप्ताह में दो से तीन बार क्लब में मौजूद लोगों की संचालित करने वाला व्यक्ति घंटों मिलने क्यों आता है? इस संबंध में आबकारी विभाग के डीओ नितिन कुमार शुक्ला से जानकारी लेने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि एम्पी की अवैध शराब की बिक्री का वीडियो साक्ष्य के तौर पर उपलब्ध है। उनका कहना है कि वीडियो दिखाया जाए तो कार्रवाई की जाएगी। यदि विभाग इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई करना चाहता है, तो केवल वीडियो

के आधार पर ही नहीं, बल्कि 15 अगस्त के ड्राई डे के दिन क्लब में मौजूद लोगों की जानकारी, उनकी सदस्यता तथा क्लब के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जानी चाहिए। साथ ही, क्लब के सीसीटीवी कैमरों की आबकारी विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रत्येक सप्ताह जांच कर उसकी रिपोर्ट दर्ज की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी पत्रकार द्वारा जानकारी मांगे जाने पर संबंधित विभाग के पास तथ्यात्मक रिकॉर्ड उपलब्ध हो और पारदर्शिता बनी रहे।

ग्वालियर खंडपीठ परिसर में प्रशासन नहीं लगा सका भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा

पुलिस ने 01 किलो 277 ग्राम अवैध गांजा के साथ 01 अभियुक्त पकड़



महोबा। पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह के कुशल निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक वन्दना सिंह के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी नगर रविकांत गौड़ के नेतृत्व में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने तथा सौलंस अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना कबरई पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। प्रभारी निरीक्षक थाना कबरई सतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में गंड़ित पुलिस टीम के उप निरीक्षक अनुज कुमार सिंह मय हमराह राहुल तिवारी एवं सचिन सरोज द्वारा अभियुक्त हीरालाल पूज टेटा धुरिया, उम्र करीब 52 वर्ष, निवासी ग्राम पहरा थाना कबरई जनपद महोबा को सुर्या ग्रेनाइट को जाने वाले रास्ते पर, बहद ग्राम गुगौरा थाना कबरई जनपद महोबा से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से एक सफेद रंग की बोरी में कुल 01 किलो 277 ग्राम अवैध सुखा गांजा बरामद हुआ। बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध थाना कबरई पर धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पजीकृत किया गया बाद आवश्यक विधिक कार्यवाही अभियुक्त उपरोक्त को न्यायालय के समक्ष पेशी हेतु भेजा गया।

मेघनगर में बहेगी आस्था, भक्ति की धर्म गंगा



मेघनगर। बाहुल्य आदिवासी जिला झाबुआ के मेघनगर में करीब 28 साल बाद एक बार फिर आस्था, भक्ति और अध्यात्म धर्म की गंगा बहने जा रही है संत शिरोमणि महंत डॉ.राधे बाबा निर्मोही के सांनिध्य में 5 जनवरी से 19 जनवरी 2027 तक श्रीमद्भगवत कथा एवं श्रीराम कथा महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। 15 दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है महोत्सव का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ होगा इसके बाद श्रद्धालु श्रीमद्भगवत कथा के साथ प्रभु श्रीराम की पावन कथा का श्रवणपात्र करेंगे आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं इसी क्रम में सोमवार को रामदल अखाड़ा में श्री मुखपात्री संत शिरोमणि महंत डॉ.राधे बाबा निर्मोही के सांनिध्य में मंडी प्रांगण स्थित कथा स्थल पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि- विधानपूर्वक पूजा- अर्चना की गई पूजन के पश्चात आयोजन स्थल पर धर्म ध्वजा स्थापित की गई धर्म ध्वजा स्थापना के साथ ही धार्मिक महोत्सव की तैयारियों ने गति पकड़ ली है इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे महंत डॉ. राधे बाबा निर्मोही ने समिति सदस्यों के साथ आयोजन की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की साथ ही कार्यक्रम को सफल और भव्य बनाने के लिए सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई आयोजन समिति द्वारा कथा स्थल, श्रद्धालुओं की सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं और कार्यक्रम को भव्य स्वरूप देने की लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं जनवरी में होने वाला इस धार्मिक महोत्सव में मेघनगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के श्रद्धालुओं के लिए आस्था और अत्यात्म का प्रमुख केंद्र बनने जा रहा है।

कांग्रेस सेवादल ने किया मासिक ध्वजवंदन फहराया तिरंगा श्योपुर, समय जगत। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गौरवशाली इतिहास एवं संगठनात्मक परम्पराओं को सशक्त बनाए रखने के उद्देश्य से मासिक ध्वजवंदन का आयोजन डॉ भीमराव अम्बेडकर पार्क पाली रोड पर कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष डॉ कमल शर्मा की अध्यक्षता तथा कांग्रेस प्रदेश सचिव योगेश जाट के मुख्य आतिथ्य में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया कर ध्वज वंदन किया गया तथा इस अवसर पर राष्ट्र की एकता, अखंडता, लोकतंत्र एवं संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने का संकल्प लेकर भारतीय संविधान की प्रस्तावना को दोहराया। इस अवसर पर संगोष्ठी में देश के वर्तमान राजनीतिक हालातों पर चिंतन कर संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाए रखने की शायश थी। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष मांगीलाल फौजी, पूर्व अध्यक्ष अतुल चौहान, सेवादल प्रदेश सचिव रामावतार जोशी, रामकुमार उमरिया, अनवर बालपुरी, मुस्तफा दाउदी, रज्जाक अहमद, सुमेर सिंह पार्षद, नवल सिंह चौबे,मानसिंह राठौर, पीरूपू शिवहर, महेश प्रजापति रज्जाक खान, इन्दर चौहान, वहीद खान, साजिद मेव, फ़ासिम, महावीर सुमन,आदि संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वरिष्ठ पत्रकार एवं एल्डरमैन आशुतोष शुक्ला का निधन कटनी। कटनी के वरिष्ठ पत्रकार और नगर निगम एल्डरमैन श्री आशुतोष शुक्ला जी का अचानक निधन हो गया। परिजनों के अनुसार, तबीयत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल कटनी के एमजीएम अस्पताल ले जाया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जबलपुर रेफर कर दिया, जहाँ उन्होंने अंतिम सांस ली। आशुतोष जी समाचार पोटल 'यश भारत डोट काम' के संपादक के रूप में कार्यरत थे और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे। हाल ही में राज्य सरकार ने उन्हें कटनी नगर निगम में एल्डरमैन नियुक्त किया था।



दतिया। आजाद समाज पार्टी के कोर कमेटी सदस्य दामोदर सिंह यादव ने अपने निवास पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में ग्वालियर खंडपीठ परिसर में संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के अनावरण का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि लंबे समय से प्रतिमा अनावरण की प्रतीक्षा में हैं लेकिन प्रशासन द्वारा इस दिशा में अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने ग्वालियर जिला प्रशासन को 15 तरीख तक प्रतिमा का अनावरण कराने का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि निर्धारित समय तक कार्रवाई नहीं हुई तो आजाद समाज पार्टी आंदोलन करेगी। उन्होंने

अपर एसपी ने 3 पुलिसकर्मियों को पुष्पगुच्छ/मोमेंटों प्रदान कर दी भावुक विदाई



महोबा। उत्तर प्रदेश पुलिस में अपनी अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने वाले पुलिस कर्मियों की यादगार विदाई हेतु आज पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक महोबा, श्रीमती वन्दना सिंह द्वारा पुलिस लाइन में विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। * इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक महोबा द्वारा 30प्र00 पुलिस सेवा से अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों को उनके परिवारीजनों की उपस्थिति में स्मृति चिन्ह, शॉल, उपहार एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही पुलिस सेवा के दौरान उनके द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों को स्मरण करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, सुखमय जीवन एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए भावभीनी विदाई दी गई। सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों- 1. मुख्य आरक्षी श्री देवीशरण 2. मुख्य आरक्षी चालक धनीराम वर्मा 3. लीडिंग फायर मैन जाहिर सिंह * उक्त विदाई समारोह के अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर श्री रविकांत गौड़, प्रतिसार निरीक्षक रविन्द्र मलिक, जनपदीय पुलिस के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण एवं सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों के परिवारीजन उपस्थित रहे। सभी के द्वारा सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को ससम्मान विदाई दी गई।

चिकित्सा महाविद्यालय दतिया में वेंटीलेशन कार्यशाला आयोजित

दतिया। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय दतिया में अधिष्ठाता डॉ. दीपक सिंह मरावी के मार्गदर्शन में शिशु रोग विभाग द्वारा चिकित्सकों के लिए वेंटीलेशन संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में क्रिटिकल केयर में काम आने वाले विभिन्न उपकरणों वेंटिलेटर, सी-पैप एवं हाईफ्लो नेसल के नुला परिचालन संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल के विषय विशेषज्ञों डॉ. अमित अग्रवाल, डॉ. नितेश उपाध्याय एवं डॉ. नवनीत खटेलावाल द्वारा दिया गया। ज्ञात हो कि इनका प्रयोग जीवन रक्षक उपकरणों के रूप में तब किया जाता है जब मरीज खुद से साँस नहीं ले सकते एवं इनके अभाव में जीवन बचाना असंभव हो सकता है। चिकित्सा महाविद्यालय दतिया में विगत काफी समय से इन उपकरणों का प्रयोग कर बहुत सारे मरीजों की जान बचाई गई है जिन्हें इसके पहले रिफर करना मजबूरी हो जाता था। इस कार्यशाला में आईसीयू में कार्यरत 40 चिकित्सा छात्र छात्राओं और नर्सिंग ऑफिसर को प्रशिक्षित किया गया।

ग्राम पंचायत बड़ा घोसलिया में तीन दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता हुई संपन्न

उज्जैन की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता रही

मेंघनगर। झाबुआ जिले के मेघनगर के समीप ग्राम पंचायत बड़ा घोसलिया में आयोजित तीन दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ कबड्डी में उज्जैन,भोपाल,बड़नगर, झाबुआ सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से पहुंची विभिन्न टीमों द्वारा खेल मैदान पर शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का खिताब अपने नाम किया विजेता टीम को ग्रामीण युवाओं की भावना का परिचय दिया रोमांचक मुकाबलों का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में खेलप्रेमी एवं



ग्रामीणजन मैदान पर मौजूद रहे प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में उज्जैन की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का खिताब अपने नाम किया विजेता टीम को ग्रामीण युवाओं की भावना का परिचय दिया रोमांचक मुकाबलों का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में खेलप्रेमी एवं

हसिल किया समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष रूपसिंह भूरिया,पूर्व जनपद अध्यक्ष नखरसिंह हाड़ा,युवा पत्रकार भुपेन्द्र बरमण्डलिया सहित क्षेत्र के समाजसेवी एवं वरिष्ठजन उपस्थित रहे अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन

राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के मामले में कार्रवाई की मांग, जेडीयू ने दिया सांकेतिक धरना



बादा। राष्ट्रीय ध्वज की कथित अवमानना और उपेक्षा के मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष पिंकी प्रजापति के नेतृत्व में सोमवार को अशोक लाट तिराहे पर सांकेतिक धरना दिया गया। धरना प्रदर्शन के दौरान पार्टी पदाधिकारियों ने नरेंरी के खंड विकास अधिकारी कार्यालय परिसर स्थित राष्ट्रीय ग्रामीण अजीविका मिशन (एनआरएलएम) के सीएलएफ भवन की छत पर राष्ट्रीय ध्वज को कथित रूप से दयनीय और उपेक्षित अवस्था में पाए जाने के वायरल मामले को गंभीर बताते हुए निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि राष्ट्रीय ध्वज देश की आन, बान और शान का प्रतीक है तथा इसके सम्मान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। सांकेतिक धरने के बाद नगर मजिस्ट्रेट स्वयं धरना स्थल पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से ज्ञापन लिया। जिलाधिकारी को संबंधित ज्ञापन में वायरल प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर राष्ट्रीय ध्वज को कथित अवमानना के लिए जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की गई। इस दौरान जेडीयू की प्रदेश उपाध्यक्ष शालिनी सिंह पटेल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रवीन्द्र नाथ गुप्ता, जिलाध्यक्ष उमाकांत सविता, काशी प्रसाद, भरत लाल कुशवाहा, श्रीराम प्रजापति, ज्योति मौर्या, सद्दाम खान, बिहारी लाल, शुभांगी गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार समेत पार्टी के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गांव से अनुभाग तक अब हर मंगलवार होगी जनसुनवाई

श्रीमती नेहा मीना ने आदेश जारी कर जनसुनवाई व्यवस्था को बनाया और अधिक प्रभावी

सिवनी। आम नागरिकों की शिकायतों, समस्याओं एवं मांगों के त्वरित, पारदर्शी एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण के लिए कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने जिले में जनसुनवाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के संबंध में आदेश जारी किया है। यह व्यवस्था इसी मंगलवार से प्रभावी होगी। इसके तहत अब ग्राम पंचायत से लेकर अनुभाग स्तर तक जनसुनवाई आयोजित की जाएगी, ताकि नागरिकों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए जिला मुख्यालय नहीं आना पड़ेगा और स्थानीय स्तर पर ही संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी में उनकी समस्याओं पर कार्रवाई सुनिश्चित हो

सके। आदेश के अनुसार जिले के सभी अनुभागों में प्रत्येक मंगलवार को प्रातः 11 बजे से जनसुनवाई समाप्त होने तक अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की अध्यक्षता में अनुभाग स्तरीय जनसुनवाई होगी। इसमें ब्लॉक एवं अनुभाग स्तर के सभी संबंधित विभागीय अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे और अपने विभाग से संबंधित शिकायतों एवं आवेदनों को सुनवाई कर नियमानुसार निराकरण की कार्रवाई करेंगे। अनुभाग स्तर के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से भी जुड़े रहेंगे, जिससे जिला और अनुभाग

स्तर के बीच प्रभावी समन्वय बना रहे। ग्राम पंचायत में मौजूद रहेंगे पटवारी, सचिव और रोजगार सहायक; जिले की सभी ग्राम पंचायतों में भी प्रत्येक मंगलवार को प्रातः 11 बजे से जनसुनवाई आयोजित होगी। एसडीएम द्वारा तैयार रोस्टर के अनुसार संबंधित पटवारी, पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। संबंधित कर्मचारी उक्त दिवस पूरे समय ग्राम पंचायत कार्यालय में उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याओं एवं आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

जनसुनवाई की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए कोटवारों, पंचायत सचिवों एवं अन्य मैदानी शासकीय अमले के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार भी कराया जाएगा। जिन अनुभागों में दो तहसीलें हैं, वहां एसडीएम एक सप्ताह मुख्यालय की तहसील तथा अगले सप्ताह दूसरी तहसील में जनसुनवाई आयोजित करेंगे। जनसुनवाई के बाद सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की समीक्षा भी अनिवार्य रूप से की जाएगी।कलेक्टर श्रीमती मीना ने शिकायतों के निराकरण में विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, विद्युत

वितरण कंपनी सहित सभी संबंधित विभाग प्राप्त शिकायतों का नियमानुसार एवं निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करेंगे। समय-सीमा में शिकायत का निराकरण नहीं होने पर संबंधित मैदानी अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। भूमि के नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन आदि से जुड़े ऐसे न्यायालयीन प्रकरण, जिनमें विधिक प्रक्रिया के तहत पूर्व में आदेश पारित हो चुके हैं, उन्हें सामान्य शिकायत के रूप में निराकृत करने के स्थान पर माल्यापण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों के स्वागत के पश्चात विकासखंड

एमएसडब्ल्यू-बीएसडब्ल्यू सत्रप्रारंभ उत्सव आयोजित विद्यार्थियों को सामाजिक नेतृत्व का दिया संदेश

सिलवानी। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड सिलवानी (जिला रायसेन) द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के एमएसडब्ल्यू (मास्टर ऑफ सोशल वर्क) एवं बीएसडब्ल्यू (बैचलर ऑफ सोशल वर्क) पाठ्यक्रमों का सत्रप्रारंभ उत्सव शासकीय महाविद्यालय सिलवानी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को समाज सेवा, नेतृत्व क्षमता एवं ग्राम विकास के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बोध कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदीप कुशवाहा (पार्षद, नगर परिषद सिलवानी), गोविंद नामदेव (शिक्षक एवं समाजसेवी) तथा विजय सोनी (शिक्षक एवं समाजसेवी) रहे। अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यापण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों के स्वागत के पश्चात विकासखंड



समन्वयक ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को सत्रप्रारंभ कार्यक्रम की रूपरेखा एवं पाठ्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह पाठ्यक्रम मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के माध्यम से महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट (सतना) से संबद्ध है तथा इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व और नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। इस अवसर पर गोविंद नामदेव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में राश्ट्रहित को

सबोच्च प्राथमिकता देना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से ग्राम स्तर पर सकारात्मक नेतृत्व प्रदान करने तथा गरीब एवं वंचित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित होकर कार्य करने का आह्वान किया। विजय सोनी ने कहा कि यह पाठ्यक्रम केवल शैक्षणिक अध्ययन तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को अपने प्रयोगशाला ग्राम में सामाजिक विषयों पर कार्य करने और पात्र हितराहियों का त्रक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने का अवसर भी प्रदान करता है।

साक्षित समाचार मूलभूत सुविधाएं नहीं मिलने से नाराज वार्ड वासियों ने किया नगर पालिका का घेराव



समय जगत, मंडीदीप । राजधानी से लगी औद्योगिक नगरी की नगर पालिका के वार्ड नंबर 1 में अव्यवस्थाओं को लेकर रहवासियों द्वारा दो सप्ताह पहले नगर पालिका को आवेदन दिया गया था। मगर जिम्मेदारों द्वारा कोई काम नहीं किया गया था। जिससे नाराज रहवासियों ने सोमवार सुबह 11 बजे सेकड़ों की संख्या में इकट्ठा होकर पैदल मार्च करते हुए नगर पालिका परिसर पहुंचे। वार्ड वासी इससे पहले नगर के मुख्य मार्गों से निकलते हुए नारे लगाये भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा से भी नाराजगी दिखाई दी। कांग्रेस नेता राम मणि द्विवेदी ने वार्ड की समस्याओं का लिखित में आवेदन नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेंद्र अग्रवाल के हाथों में सौंपा और चेतावनी दी कि अगर जल्द वार्ड की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आगे बड़ा आंदोलन करेंगे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 196 तीर्थ यात्री मथुरा-वृंदावन के लिए हुए रवाना



सिवनी । मुख्यमंत्रीट्रीट्थदर्शनद्वयोजना के अंतर्गत सिवनी जिले के 196 तीर्थ यात्री आज मथुरा-वृंदावन की तीर्थ यात्रा के लिए रवाना हुए। यात्रा का आयोजन 30 अगस्त से 02 सितंबर 2026 तक किया जा रहा है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से चयनित पात्र श्रद्धालु इस यात्रा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा एवं वृंदावन के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन करेंगे। यात्रा पर रवाना होने से पहले नगर पालिका अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोडिया सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने तीर्थ यात्रियों का तिलक एवं माला पहनाकर स्वागत किया। जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धालुओं को मंगलमय एवं सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दी। इसके पश्चात बस को हरी झंडी दिखाकर छिदवाड़ा के लिए रवाना किया गया। जिले से रवाना हुए सभी तीर्थ यात्री बस के माध्यम से छिदवाड़ा पहुंचेंगे, जहां से वे ट्रेन द्वारा मथुरा-वृंदावन की यात्रा करेंगे। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को मथुरा एवं वृंदावन के प्रमुख धार्मिक एवं तीर्थ स्थलों के दर्शन का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना प्रदेश शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है, जिसके माध्यम से पात्र श्रद्धालुओं को देश के प्रमुख तीर्थ स्थलों की यात्रा कराई जाती है। योजना के तहत सिवनी जिले से इस चरण में 196 यात्रियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके अंतर्गत चयनित श्रद्धालु आज तीर्थ यात्रा के लिए रवाना हुए। तीर्थ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल रहा। यात्रा पर रवाना होते समय श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से तीर्थ दर्शन का अवसर मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की और शासन के प्रति आभार जताया।

भगवान लव-कुश जी का जन्मोत्सव श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न



समय जगत, बैरसिया । भगवान लव-कुश मंदिर ग्राम चपड़िया में भगवान लव-कुश जी का जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं सामाजिक समरसता के वातावरण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, समाजबंधु एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजमल कुशवाहा पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि कुशवाहा समाज सदैव कर्मठता, स्वाभिमान और उच्च संस्कारों का प्रतीक रहा है। भगवान लव-कुश का आदर्श जीवन हमें ज्ञान, शौर्य, अनुशासन और पराक्रम के साथ श्रेष्ठ व्यक्तित्व निर्माण की प्रेरणा देता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि विद्यार्थी जीवन को मोबाइल की आभारी दुनिया और नशे जैसी बुराइयों से दूर रखकर शिक्षा, मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ अपने भविष्य को संशक्त बनाएं। मुख्य अतिथि योगेश भानुसिंह कुशवाह ने कहा कि जब घर का बेटा-बेटी शिक्षित होकर आगे बढ़ता है, तो केवल एक परिवार नहीं बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों का भविष्य उज्ज्वल होता है। शिक्षा ही समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। वहीं विशेष अतिथि कुबेर सिंह गुर्जर एवं रामकिशन कुशवाह सहित अन्य अतिथियों ने भी समाज में शिक्षा, संस्कार और एकता के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर लक्ष्मीनारायण कुशवाह, मंडल अध्यक्ष अशुल आगर, सरपंच देवेंद्र कुशवाह, शिक्षक हरिशंकर कुशवाह, हरिओम कुशवाह, फत्तुलाल कुशवाह, दीपक कुशवाह, अमरसिंह कुशवाह, बिहारीलाल कुशवाह, देवीसिंह कुशवाह, संजीव कुशवाह, हेमंत कुशवाह, पार्षद संजय कुशवाह, पार्षद कमलेश कुशवाह, राजकुमार कुशवाह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं समाजजन उपस्थित रहे। साथ ही आयोजन समिति के भगवत सिंह कुशवाह, हरिसिंह कुशवाह, मदनलाल कुशवाह, बिहारीलाल कुशवाह, नंदराम कुशवाह, दीनदयाल कुशवाह, हमीर सिंह कुशवाह, वृंदावन कुशवाह, लक्ष्मीनारायण कुशवाह, रमेश कुशवाह, सोनू कुशवाह, तुलसीराम कुशवाह एवं समस्त ग्रामवासियों ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

400 करोड़ की लागत से बनी सड़क दो-तीन साल में बदहाल, हाईवे पर जगह-जगह बड़े गड्ढे और पुलों में दरारें

औबेदुल्लागंज। औबेदुलागंज क्षेत्र में करीब 400 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सड़क/हाईवे की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। निर्माण के महज दो-तीन साल के भीतर ही सड़क की हालत खराब होने लगी है। हाईवे पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, वहीं कुछ पुलों पर भी दरारें दिखाई देने लगी हैं। ऐसे में वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि इस मार्ग का निर्माण एनएचआई (छाद्रू) की देखरेख में कराया गया था। करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी सड़क का इतनी जल्दी खराब होना निर्माण गुणवत्ता और रखरखाव व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। हाईवे पर बने गड्ढों के कारण तेज रफ्तार वाहनों के अचानक असंतुलित होने की आशंका बनी रहती है। वहीं पुलों पर दिखाई दे



रही दरारें यदि समय रहते गंभीरता से नहीं ली गईं तो भविष्य में यह बड़े हादसे का कारण बन सकती है। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि पूरे मार्ग का तकनीकी निरीक्षण कराया जाए। सड़क पर

बने गड्ढों की तत्काल मरम्मत के साथ पुलों की भी विशेषज्ञों से जांच कराई जाए, ताकि किसी संभावित दुर्घटना को समय रहते रोका जा सके। करोड़ों खर्च, फिर भी सवाल: स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि सड़क निर्माण पर वास्तव में इतनी बड़ी राशि खर्च हुई है, तो कुछ ही वर्षों में सड़क की हालत खराब होना गंभीर विषय है। लोगों ने मांग की है कि सड़क निर्माण में इस्तेमाल सामग्री, निर्माण की गुणवत्ता और संबंधित ठेकेदार की जिम्मेदारी की जांच कर जवाबदेही तय की जाए। अब सवाल यह है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी सड़क इतनी जल्दी खराब क्यों हो रही है और पुलों में दरारें कैसे आ रही हैं? संबंधित विभाग द्वारा समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो यह लापरवाही किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकती है।

बच्चों से सवाल पूछे तो जवाबों ने बढ़ाया भरोसा, शैक्षणिक स्तर मिला संतुष्टिपूर्ण एक्सीलेंस स्कूल की परखी व्यवस्थाएं, शैक्षणिक स्तर सामान्य से बेहतर मिला, शिक्षकों को गुणवत्ता सुधार के निर्देश

समय जगत, सारंगपुर । स्कूल की पढ़ाई सिर्फ कक्षाओं और किताबों तक सीमित है या बच्चे वास्तव में कितना समझ रहे हैं, इसकी पड़ताल करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के ओएसडी सीएस सोलंकी ने विद्यार्थियों से सीधे सवाल किए। बच्चों ने पूछे गए सवालों के सही जवाब देकर अपना शैक्षणिक स्तर बेहतर होने का भरोसा दिया। इसके बाद ओएसडी ने स्कूल की शिक्षण व्यवस्था से लेकर स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं तक का जायजा लिया। बच्चों से संवाद कर परखा शैक्षणिक स्तर : जन विश्वास अभियान के तहत 29 अगस्त

को ओएसडी सीएस सोलंकी ने सारंगपुर के मॉडल स्कूल एवं एक्सीलेंस स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने कक्षाओं में विद्यार्थियों की उपस्थिति, शैक्षणिक गतिविधियों और शिक्षण व्यवस्था की जानकारी ली। इस दौरान छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद करते हुए पढ़ाई से जुड़े प्रश्न पूछे गए। विद्यार्थियों ने प्रश्नों के सही उत्तर दिए। निरीक्षण में उनका शैक्षणिक स्तर सामान्य से अधिक पाया गया।

शिक्षकों से चर्चा, सुधार पर फोकस : ओएसडी ने विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों से चर्चा कर शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने



विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षण गतिविधियों को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। साथ ही शिक्षकों से विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता के अनुरूप शिक्षण पद्धति

अपनाने और कक्षा में बेहतर शैक्षणिक माहौल बनाए रखने की बात कही। सुविधाओं और स्वच्छता की भी जांच : निरीक्षण के दौरान विद्यालय में उपलब्ध

मूलभूत सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था और परिसर की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया गया। सोलंकी ने विद्यालयीन व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने शासन की योजनाओं का विद्यार्थियों तक समुचित लाभ पहुंचाने और उनके क्रियाचन्यन में किसी तरह की कमी नहीं रखने के लिए भी कहा। निरीक्षण के दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुरेश बिरमाल, उक्तृष्ट विद्यालय की प्राचार्य पूजा विजयवर्गीय सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

टीबी मुक्त भारत अभियान को मिलेगी नई रफ्तार

गैरतगंज। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सिविल हॉस्पिटल गैरतगंज एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देहागंव में क्यनोवा जागरूकता एवं प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मेरा युवा भारत माता को टीबी के प्रमुख लक्षण, बचाव, जांच, उपचार तथा टीबी मुक्त भारत अभियान में युवाओं की भूमिका के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।



प्रशिक्षण कार्यक्रम में माय भारत की डिट्टी डायरेक्टर मोनिका मेम, डॉ. नीलेश चौरसिया, बी जय नारायण शर्मा, एसटीएस संतोष सिंह जाटव, एसटीएलएस विनोत खरे, टबीएचवी राम सिंह ओड देहागंव एमपीएस राजेश खरारे सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम एवं अन्य

अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने स्वयंसेवकों का बढ़ाया उत्साह कार्यक्रम के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गैरतगंज श्री हर्षित चौधरी, ब्लॉक मेडिकल आफीसर डॉ.

संदीप यादव, डाक्टर नीलेश चौरसिया, तथा बीपीएम संजीव तिग्गा ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर माय भारत वालंटियर्स से मुलाकात की। अधिकारियों ने टीबी मुक्त भारत अभियान में युवाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए उन्हें समुदाय के बीच जाकर टीबी के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने स्वयंसेवकों से अपील की कि वे लोगों को टीबी के लक्षणों की पहचान, समय पर जांच और नियमित उपचार के महत्व के बारे में जानकारी दें तथा जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने में सहयोग करें।

समय सीमा बैठक में कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने दिए सख्त एवं समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

महिला एवं बाल विकास विभाग को आंगनवाड़ी व्यवस्थाओं में सुधार, पोषण सामग्री वितरण की प्रभावी मॉनिटरिंग और रिकॉर्ड संधारण के निर्देश

राजगढ़, समय जगत। कलेक्टर डॉ. गिरिश कुमार मिश्रा द्वारा सोमवार को आयोजित समय सीमा बैठक में विभागवार कार्यों, लंबित प्रकरणों एवं शासन की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी पटवारी एवं सचिवों को अनिवार्य रूप से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने तथा उपस्थिति दर्ज नहीं करने पर वेतन रोकने के निर्देश दिए। मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई द्वारा सार्थक ऐप पर उपस्थिति दर्ज नहीं करने पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। उद्योग विभाग के दोनों निरीक्षकों का उद्यम क्रांति योजना के प्रकरण समय पर प्रस्तुत नहीं करने पर वेतन रोकने तथा पशुपालन विभाग के उप संचालक द्वारा प्रस्तुत किए गए समय पर प्रस्तुत नहीं करने पर वेतन रोकने के निर्देश दिए। जर्जर शाला

भवनों का पुनः सत्यापन कराने तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. ईच्छित गढ़पाले को प्रत्येक जर्जर शाला में उपयंत्री के साथ बैठक कर आवश्यक कार्य कराने के निर्देश दिए। खिलचौपुर एवं माचलपुर के उपयंत्री द्वारा छात्रवासों का किराया निर्धारण नहीं किए जाने पर एक-एक वेतनवृद्धि रोकने हेतु कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने ऊर्जा विभाग के विद्युत बिलों का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। भुगतान नहीं किए जाने की स्थिति में संबंधित शासकीय भवनों की विद्युत आपूर्ति विच्छेदित की जा सकती है। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने महिला एवं बाल



विकास विभाग को आंगनवाड़ी व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खराब एवं अनुपयुक्त निजी भवनों में संचालित आंगनवाड़ियों को चिन्हित कर उपयुक्त एवं बेहतर भवनों में रूथानांतरण कराने तथा परियोजना अधिकारी (बैलॉक) कार्यालयों को भी बेहतर स्थानों पर संचालित करने को कहा। सक्षम आंगनवाड़ियों में आरओ, टीवी एवं बेबी टॉयलेट की स्थापना प्राथमिकता से कराने तथा

जिले की 16 अप्रारंभ आंगनवाड़ियों का कार्य शीघ्र शुरू कराने के निर्देश दिए। जिला शहरी विकास अधिकारी से संबंधित फाइल पर स्पष्टिकरण भी मांगा गया। उन्होंने पोषण ट्रैकर ऐप पर स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के गर्भवती महिलाओं से संबंधित डेटा का पुनः सत्यापन कराने के निर्देश दिए। समूह की दीर्घियों द्वारा वितरित किए जा रहे खिचड़ी-दलिया के पैकेट सभी पात्र हितराहियों तक व्यवस्थित रूप से

पहुंचें, यह सुनिश्चित करने के लिए सभी एसडीएम को निर्देशित किया गया। सुठालिया में दलिया-खिचड़ी वितरण की व्यवस्था पर असंतोष व्यक्त करते हुए जिम्मेदारी निर्धारित करने तथा वितरण की रिकॉर्ड कीर्णग, नियमित निगरानी एवं मॉनिटरिंग महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए गए। सभी पर्यवेक्षकों का सार्थक ऐप पर उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा सभी कनिष्ठ चारुष्यकी अधिकारी को री-केवायसी प्राथमिकता से पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए। मुछ्ेय कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. गढ़पाले ने पशुपालन विभाग में एल1 एवं एल 2 स्तर की शिकायतों के कमजोर निराकरण पर संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी

करने के निर्देश दिए। आगामी मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान, कुशवार की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को अगले 5 दिवस में सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। सभी अधिकारियों को अपने-अपने संस्थानों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने तथा आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा गया। विकासखंड स्तर पर आयोजित पूर्व जनविश्वास अभियान शिविरों में प्राप्त शिकायतों एवं उनके निराकरण की रिपोर्ट सभी एसडीएम द्वारा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, कृषि विभाग के प्रभारी वरिष्ठ कृषि विस्ेतार अधिकारी खिलचौपुर श्री के.के. जाटव को निलंबन हेतु नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

भारत विकास परिषद का रक्तदान शिविर संपन्न त्रैमासिक रक्तदानियों के साथ 25 दानदाताओं ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

समय जगत, श्योपुर। रक्तदान जागरूकता अभियान के क्रम में भारत विकास परिषद् शाखा श्योपुर द्वारा आयोजित त्रैमासिक रक्तदान शिविर में 25 रक्तदानियों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। अपने अनुज स्व.मुकेश गुप्ता के अस्माधिक निधन के पश्चात उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर 2005 में आयोजित प्रथम रक्तदान शिविर से नियमित रक्तदान करने वाले महावीर गुप्ता ने आज तीन महिने पूरे होने पर 59वीं बार रक्तदान करते हुए श्योपुर क्षेत्र में सर्वाधिक बार रक्तदान के रिकॉर्ड में 1 पायदान का सुधार किया, योग के साथ साथ हर 3 माह में नियमित रूप से रक्तदान करने वाले योग शिक्षक दिनेश साहू ने 56 वीं बार, पूर्व पार्षद राजू पारेता ने 40वीं, अशीष गुप्ता ने 23वीं, पूर्व



सिविल सर्जन एवं ब्लडबैंक प्रभारी डॉ आर बी गोयल ने 20वीं और हिमांशु गुप्ता ने 17वीं बार स्वैच्छिक रक्तदान कर मानव सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। विशेष बात यह है कि आठ

दिन पूर्व ही अपनी चाची जी के निधन के कारण परिवार में शोकपूर्ण बातावरण होने के बाद भी महावीर गुप्ता उनके पुत्र अशीष गुप्ता और भतीजे हिमांशु गुप्ता ने अपने प्रत्येक तीन महिने में रक्तदान करने

लोकहित के अपने क्रम को जारी रखा। आज सम्पन्न हुये शिविर में आस्था गर्ग, डॉ कविता गुप्ता, नर्सिंग ऑफिसर ममता राजोरिया एवं विजय कुमारी ने स्वैच्छिक रक्तदान कर मातृशक्ति की भागीदारी सुनिश्चित की। सभी रक्तदानियों को पुष्प हार और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इन्होंने किया रक्तदान: रक्तदान करने वालों में डॉ आर बी गोयल, डॉ प्रदीप शर्मा, हेमंत सिंगल, सुरेंद्र मित्तल, राज मीणा, इकबाल, राजू पारेता, आस्था गर्ग, राजेंद्र शर्मा, दीपक गर्ग, राघवेंद्र गुप्ता, मुकुट बिहारी नागर, महावीर गुप्ता, डॉक्टर कविता गुप्ता, रुद्रांशु गर्ग, जितेंद्र जाटव, ममता राजोरिया, हुसैन मिर्जा, अशीष गुप्ता, ओमप्रकाश मीणा, विजय कुमारी, हिमांशु गुप्ता, दिनेश साहू, आदि।

पुलिस लाइन में ब्रह्माकुमारीज ने बांधा परमात्म रक्षा सूत्र 90 सुरक्षा कर्मियों ने लिया बुराइयों से दूर रहने का संकल्प

समय जगत, खंडवा। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज खंडवा द्वारा पुलिस लाइन में सुरक्षा कर्मियों के लिए विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज की ओर से पुलिसकर्मियों को परमात्म रक्षा सूत्र बांधकर उन्हें पवित्रता, सद्भावना एवं सकारात्मक जीवन का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में बी.के. शक्ति दीदी ने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्षा सूत्र केवल एक धागा नहीं, बल्कि स्वयं को बुराइयों से मुक्त करने और परमात्मा से जुड़कर जीवन की श्रेष्ठ बनाने का संकल्प है। उन्होंने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र तारनेकर जी, डीएसपी अनिल चौहान एवं आरआई शिव मंगल सिंह लोधी जी को परमात्मा रक्षा सूत्र बांधा एवं ईश्वरीय सौगत भेंट की इसके पश्चात बी.के. शक्ति दीदी, बी.के. आरती दीदी एवं पावन बहन द्वारा पुलिस लाइन में उपस्थित लगभग 90 सुरक्षा कर्मियों को परमात्म रक्षा सूत्र बांधा गया। सभी सुरक्षा कर्मियों ने बड़े ही स्नेह और श्रद्धा के साथ रक्षा सूत्र बंधवाया तथा



जी वन से बुराइयों को छोड़ने एवं सकारात्मक मूल्यों को अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र तारनेकर जी ने रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए ब्रह्माकुमारीज द्वारा बताए गए रक्षाबंधन के आध्यात्मिक

संदेश की सराहना की। कार्यक्रम में संस्था से जुड़े बी.के. सुनील भाई, बी.के. दीपक भाई एवं बी.के.श्यामा भाई भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने सुरक्षा कर्मियों के बीच आध्यात्मिकता, पवित्रता और सकारात्मक जीवनशैली का संदेश प्रसारित किया।

साक्षिप्त समाचार

भाजपा में संगठन को लेकर मंथन प्रदेशाध्यक्ष से की मुलाकात



श्योपुर। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेंद्र जाट ने प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान संगठनात्मक विषयों सहित विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर विस्तार से सार्थक संवाद हुआ। मुलाकात में पार्टी संगठन को मजबूत करने,

कार्यकर्ताओं की भूमिका और संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। सुरेंद्र जाट ने प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के मार्गदर्शन और स्नेह के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन सदैव कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा और प्रेरणा देता है। इस मुलाकात को संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों नेताओं के बीच हुई चर्चा में पार्टी की आगामी गतिविधियों और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने से जुड़े विषय भी प्रमुखता से रहे।

गोरस में जनसंवाद कार्यक्रम पांच सितंबर को होगा आयोजित

श्योपुर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत श्योपुर जिले में 5 सितंबर शनिवार को जनसंवाद कार्यक्रम आदिवासी विकासखण्ड कराहल के ग्राम गोरस में आयोजित होगा। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक शुक्रवार को जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किये जाने के निर्देश है, उक्त निर्देशों के क्रम में शासन द्वारा शुक्रवार के दिन अवकाश होने की स्थिति में इसके अगले दिन शनिवार को शिविर आयोजित किये जाने के निर्देश दिये गये है। इसी क्रम में 4 सितंबर को जन्माष्टमी अवकाश होने की स्थिति में 5 सितंबर शनिवार को गोरस में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर शीला दाहिमा के निर्देशन में 5 सितंबर को गोरस में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में ग्राम पंचायत गोरस, पिपरानी, रीछी, कलमी-ककरधा एवं कैलोर शामिल रहेंगे। इस अभियान के दौरान क्षेत्र भ्रमण, निरीक्षण एवं जनसंवाद के माध्यम से आम लोगों की शिकायतों का निराकरण किया जायेगा तथा शासकीय योजनाओं की निगरानी के साथ ही कल्याणकारी योजनाओं में शेष पात्र लोगों को लाभ देने की कार्यवाही की जायेगी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत लगने जा रहे शिविर- जनसंवाद कार्यक्रम में भ्रमण क्षेत्र की लबित सीएम हेल्थलाइन एवं जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण किया जायेगा तथा लोक सेवा गारंटी के अधिनियम के अंतर्गत दर्ज भ्रमण क्षेत्र के लबित प्रकरण भी निराकृत होंगे। इसके साथ ही अविवादित नामांतरण, सीमांकन एवं बटवारा के लबित प्रकरण भी निराकृत किये जायेंगे। ई-केवायसी शिविर व आयुष्मान कार्ड शिविर भी लगाए जायेंगे।

विजयपुर एवं कराहल में जनसुनवाई प्रातः 11 बजे से

श्योपुर। कलेक्टर शीला दाहिमा द्वारा पूर्व में प्रत्येक मंगलवार को अनुभाग मुख्यालयों पर भी एसडीएम की अध्यक्षता में जनसुनवाई करने के निर्देश जारी किये गये है। इसी क्रम में मंगलवार 01 सितंबर को अनुभाग मुख्यालय कराहल एवं विजयपुर में प्रातः 11 बजे से दोपहर 01 बजे तक जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। संबंधित एसडीएम की अध्यक्षता में आयोजित जनसुनवाई में उप खण्ड स्तर के सभी अधिकारी मौजूद रहेंगे।

जिले में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान है जारी

33 ग्राम पंचायतों में अधिकारियों ने किया स्कूल आंगनवाड़ी एवं शासकीय कार्यालयों का निरीक्षण

दमोह, समय जगत। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की महत्वाकांक्षी पहल जन विश्वास अभियान के अंतर्गत 29 अगस्त को बटियागढ़ में शिविर आयोजित किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना है जिन्हें पात्र होने के बावजूद किसी कारणवश योजनाओं का लाभ प्राप्त नहीं हो पा रहा है। आरंभ विभाग के राज्यमंत्री लखन पटेल ने कहा कि अभियान के तहत शिविरों के माध्यम से योजनाओं के हितलाभ का वितरण किया जा रहा है, साथ ही पात्र हितग्राहियों के आवेदन प्राप्त कर उन्हें अधिक से अधिक योजनाओं से लाभान्वित करने की कार्यवाही की जा रही है। इस अभियान के अंतर्गत जिले में कुल 23 शिविरों का



आयोजन किया जाएगा। इस प्रकार प्रत्येक विकासखंड में औसतन लगभग तीन शिविर आयोजित कर आमजन तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। राज्यमंत्री ने कहा जन विश्वास अभियान के दौरान प्रशासनिक अधिकारी मैदानी स्तर पर निरीक्षण भी कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शासन की

संचालित योजनाओं का वास्तविक लाभ समाज के अंतिम छोर पर बैठे आम नागरिक तक पहुंच रहा है या नहीं। अभियान के माध्यम से योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा बटियागढ़ शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों की समरी तैयार की जाएगी। इसमें प्राप्त

आवेदनों की संख्या, तत्काल निराकृत प्रकरणों तथा ऐसे प्रकरणों का पृथक विवरण तैयार किया जाएगा जिनके निराकरण में कुछ समय लग सकता है। सभी आवेदनों की प्रगति एवं निराकरण की विस्तृत रिपोर्ट भी उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कहा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शासन का प्रयास है कि कोई भी पात्र व्यक्ति शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य से बटियागढ़ जनपद पंचायत की 33 ग्राम पंचायतों को अभियान में सम्मिलित किया गया। जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की टीमों ने इन ग्राम पंचायतों में पहुंचकर स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र एवं शासकीय कार्यालयों का निरीक्षण किया और योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया।

अब हाईकोर्ट से है राहत की उम्मीद

निलंबित सीएसपी नेहा पच्चीसिया की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

कटनी। कटनी के बहुचर्चित जमीन सौदेबाजी और पद के दुरुपयोग के संगीन मामले में धिरौं निलंबित नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया और उनके मुख्य फाइनेंसर क्षितिज राज बारापत्रे की मुक्ति के लिए अग्रिम जमानत याचिका को सिरे से निरस्त कर दिया। अदालत में लगातार दो दिनों तक चली सुनवाई और शनिवार को करीब 5 घंटे तक दोनों पक्षों के वकीलों के बीच चली तीखी कानूनी बहस के बाद अदालत ने केस डायरी, एसआईटी की जांच रिपोर्ट और सर्वोच्च न्यायालय के मार्गदर्शक न्यायदृष्ट्यों को आधार बनाकर यह सख्त आदेश जारी किया। निलंबित



अदालत से झटका लगने, एफआईआर दर्ज हुए 11 दिन बीत जाने और पुलिस द्वारा 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित होने के बाद अब आरोपियों के पास केवल मध्य प्रदेश हाईकोर्ट जाने का ही एकमात्र कानूनी सहारा बचा है। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश सुश्री लीला लोधी ने केस डायरी का गहन

अवलोकन करने के बाद अपने आदेश में स्पष्ट लिखा कि प्रकरण में विवेचना अभी अपूर्ण है, अधिरोपित अपराध अत्यंत गंभीर प्रकृति के हैं और आरोपी लगातार फरार रहकर पुलिस विवेचना में सहयोग नहीं कर रहे हैं। यदि ऐसे रसूखदार आरोपियों को अग्रिम जमानत दी जाती है, तो वे गवाहों को प्रभावित/प्रलोभित कर सकते हैं और उनके पुनः पकड़ने की प्रबल आशंका है। अदालत ने अग्रिम जमानत आवेदन पत्र खारिज कर दिया। अब 11 दिनों से फरार चल रहें पूर्व सीएसपी नेहा पच्चीसिया, क्षितिज राज और मारुफ हनफी पर 10-10 हजार का इनाम लागू है और गिरफ्तारी से बचने के लिए उनके पास केवल मध्य प्रदेश हाईकोर्ट जबलपुर में याचिका लगाने का विकल्प शेष है।

राज्यमंत्री पटेल ने नरसिंहगढ़ में 50 लाख की लागत से निर्मित होने वाले शादी घर का किया भूमिपूजन

दमोह। नरसिंहगढ़ में लगभग 6 हजार वर्गफीट क्षेत्र में सार्वजनिक उपयोग के लिए एक बड़े हॉल एवं कमरों का निर्माण किया जाएगा। इस भवन का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को विवाह आयोजन के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराना है। ऐसे परिवार जो निजी शादी घर या गाउँ का खर्च वहन नहीं कर सकते, वे यहां अपने पारिवारिक कार्यक्रम आयोजित कर सकेंगे। इसके साथ ही भवन का उपयोग सामाजिक बैठकों, बड़े सामुदायिक कार्यक्रमों एवं अन्य सार्वजनिक आयोजनों के लिए भी किया जा सकेगा। इस आशय के विचार आनंद विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल ने ग्राम नरसिंहगढ़ में 50 लाख की लागत से निर्मित होने वाले शादी घर के भूमिपूजन के दौरान आमजन को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। राज्यमंत्री ने कहा कि नरसिंहगढ़ एक बड़ा केंद्र होने के बावजूद यहां बड़े



सामाजिक कार्यक्रमों एवं बैठकों के लिए पर्याप्त सार्वजनिक स्थान उपलब्ध नहीं था। प्रस्तावित भवन के निर्माण से इस कमी को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से आने वाली पीढ़ी के भविष्य को ध्यान में रखते हुए विकास और सार्वजनिक सुविधाओं को लेकर सामूहिक रूप से विचार करने का आह्वान किया। उन्होंने गांवों में सार्वजनिक रास्तों पर

अतिक्रमण और निर्माण की समस्या की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कई स्थानों पर रास्तों के बीच चबूतरे अथवा अन्य निर्माण कर दिए जाते हैं जिससे पहले जहां दो वाहन आसानी से निकल जाते थे, वहां अब एक वाहन के निकलने में भी परेशानी होती है। सार्वजनिक मार्गों को सुगम और अतिक्रमण मुक्त बनाए रखना आने वाली पीढ़ी के लिए आवश्यक है।

नगर हित के मुद्दों को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि से सकारात्मक चर्चा

समय जगत, श्योपुर। नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि सुजीत गर्ग से उनके निवास पर नगर के विभिन्न जनहित एवं विकास कार्यों को लेकर सकारात्मक एवं विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में नगर के विभिन्न वार्डों में शेष विकास कार्यों को पूर्ण कराने, नवीन कार्यों को स्वीकृति दिलाने तथा नागरिकों से जुड़ी नगर पालिका की समस्याओं के शीघ्र निराकरण सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान आगामी समय में वार्डवार जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित करने को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ, जिसके माध्यम से नगर पालिका से संबंधित नागरिकों की समस्याओं एवं सुझावों को सीधे वार्ड स्तर पर सुना जाएगा और यथासंभव समस्याओं का निराकरण वार्ड में ही सुनिश्चित करने का प्रयास किया

वार्डवार जनसंवाद से होगा जनसमस्याओं का समाधान



जाएगा। नगर अध्यक्ष संजय मंगल ने कहा कि नगर के विकास एवं नागरिकों की

सुविधाओं से जुड़े प्रत्येक जनहित के मुद्दे पर निरंतर संवाद और समन्वय आवश्यक

है। नगर पालिका से संबंधित सड़क, नाली, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, विकास कार्यों सहित अन्य सभी जनहित के विषयों पर सकारात्मक चर्चा की गई। साथ ही, नगर अध्यक्ष संजय मंगल ने अपने आग्रह पर महिलाओं की सुविधा एवं सम्मान को ध्यान में रखते हुए महानगरों की तर्ज पर 'पिंक टॉयलेट' निर्माण के निर्णय को नगर पालिका परिषद में पारित किए जाने पर नगर पालिका अध्यक्ष एवं परिषद का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट की सुविधा नगर के लिए एक महत्वपूर्ण एवं जनहितकारी पहल है। आने वाले समय में भी महिला सुरक्षा, स्वच्छता, सुविधा और सम्मान से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दिलाने के लिए प्रयास जारी रहेंगे।

मेरा युवा केन्द्र द्वारा मेजर ध्यानचंद की जयंती पर खेल प्रतियोगिताएं संपन्न खिलाड़ियों के लिए आदर्श हैं मेजर ध्यानचंद

श्योपुर। शहर के पाली रोड स्थित देहात थाना खेल मैदान पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के मेरा युवा भारत केन्द्र एवं जिला खो-खो संघ के संयुक्त तत्वावधान में गत शनिवार को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर खो-खो प्रतियोगिता एवं हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें एक सैकड़ से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लेकर मेजर ध्यानचंद के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि प्रकट की। इस दौरान जिला खो-खो संघ के अध्यक्ष बिहारी सिंह सोलंकी, उपाध्यक्ष विष्णु सिंहल, कोच



डेलन सिंह तुमराची, मेरा युवा केन्द्र से तनवी दुबे, मुक्तिबोध युवक मंडल के निराज किशोर शर्मा, कोच पंकज शर्मा सहित कई खिलाड़ी मौजूद रहे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की गई, इसके बाद खो-खो

ग्राउंड की पूजा करते हुए बालक एवं बालिका वर्ग के जूनियर, सीनियर वर्ग के खिलाड़ियों के बीच मैच हुआ। इस मौके पर सम्बोधित करते हुए खो-खो संघ के अध्यक्ष श्री बिहारी सिंह सोलंकी ने कहा कि श्योपुर जिले में खेल प्रतिभाएं राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर

अपना लोहा मनवा चुकी हैं, यहां राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी मौजूद हैं तो वहीं कई खिलाड़ी अभी और हैं जो आने वाले दौर में हमारे जिले का नाम राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचकर गौरव बढ़ावेंगे। इस दौरान बालक एवं बालिका वर्ग में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मेडल एवं शील्ड भेंटकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर श्री दिनेश मंगल, श्री पूरणचंद शिवहरे, खो-खो संघ के सचिव श्री पंकज शर्मा, श्री शुभम बैरागी, शिक्षा विभाग से देवेन्द्र सिकरवार, खेल विभाग से श्री आशीष शर्मा, विनोद आदि।